भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को बोझ नहीं, अवसर समझ लेता है, वही जीवन और समाज–दोनों में स्थायी सम्मान अर्जित करता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-79 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 8 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जिम्मेदारीः व्यक्ति की गरिमा और समाज की स्थिरता का आधार

जिम्मेदारी कोई साधारण शब्द नहीं, बल्कि वह नैतिक मूल्य है जो व्यक्ति और समाज के बीच एक अदृश्य, परंतु मजबूत सेतु का कार्य करता है। यह सेतु जितना सशक्त होता है, समाज उतना ही अनुशासित, शांत और सहयोगपूर्ण बनता है। जिम्मेदारी वास्तव में एक ऐसा सुरक्षा कवच है, जो व्यक्ति को न केवल गलत दिशा में भटकने से रोकता है, बल्कि उसे सामाजिक विश्वास, सम्मान और स्वीकार्यता भी दिलाता है। आज के दौर में, जब अधिकारों की बातें तो जोर-शोर से होती हैं, लेकिन कर्तव्यों से बचने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, तब जिम्मेदारी की प्रासंगिकता और भी अधिक हो जाती है। मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

व्यक्ति का चरित्र उसके शब्दों से नहीं, बल्कि उसके आचरण और जिम्मेदारी निभाने के ढंग से पहचाना जाता है। जिम्मेदार व्यक्ति वही होता है, जो अपने कार्यों के परिणामों से भागता नहीं, बल्कि उन्हें स्वीकार करता है। वह जानता है कि उसका हर निर्णय केवल उसके निजी जीवन को ही नहीं, बल्कि समाज के व्यापक ढांचे को भी प्रभावित करता है। यही सोच उसे संयमित, विवेकशील और भरोसेमंद बनाती है। समाज ऐसे ही व्यक्तियों पर टिकता है, क्योंकि वही संकट के समय आधार स्तंभ की तरह खड़े रहते हैं। अक्सर यह भ्रम फैला दिया जाता है कि जिम्मेदारी व्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित कर देती है। जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। जिम्मेदारी स्वतंत्रता का उच्चतम और परिपक्व रूप है। बिना जिम्मेदारी की स्वतंत्रता उच्छृंखलता में बदल जाती है, जो अंततः व्यक्ति और समाज दोनों के लिए विनाशकारी सिद्ध होती है। जब व्यक्ति अपने कर्तव्यों को समझकर स्वतंत्र निर्णय लेता है, तभी उसकी स्वतंत्रता सार्थक बनती है। अन्यथा, वह केवल स्वार्थ और अराजकता का माध्यम रह जाती है।

समाज में सम्मान कोई उपहार नहीं, जिसे मांगा जा सके। यह अर्जित किया जाता है, और इसका सबसे विश्वसनीय मार्ग जिम्मेदारी है। जो व्यक्ति अपने परिवार, कार्यस्थल और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाता है, वह स्वाभाविक रूप से सम्मान का पात्र बनता है। इसके विपरीत, जो जिम्मेदारी से बचता है, वह धीरे-धीरे समाज में अपनी उपयोगिता और विश्वसनीयता दोनों खो देता है। ऐसे लोग अक्सर परिस्थितियों और दूसरों को दोष देने में जीवन गुजार देते हैं, लेकिन आत्ममंथन का साहस नहीं जुटा पाते। जिम्मेदारी केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह सामाजिक शांति और सामूहिक सहयोग की आधारशिला भी है। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होते हैं–कानून का पालन करते हैं, दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हैं और सार्वजनिक संसाधनों की रक्षा करते हैं–तो समाज में स्वतः ही अमन और व्यवस्था स्थापित होती है। इसके विपरीत, जब हर कोई केवल अपने अधिकारों की बात करता है और कर्तव्यों से मुंह मोड़ लेता है, तब सामाजिक ताना-बाना कमजोर पड़ने लगता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जिम्मेदारी को बोझ नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखा जाए। यह अवसर आत्म-विकास का भी है और सामाजिक योगदान का भी। जिम्मेदारी हमें यह सिद्ध करने का मौका देती है कि हम केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय और संवेदनशील सदस्य हैं। एक जिम्मेदार नागरिक, एक जिम्मेदार कर्मचारी, एक जिम्मेदार अभिभावक और एक जिम्मेदार शासक–यही किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत होते हैं।

अंततः यह कहना अनुचित नहीं होगा कि जिम्मेदारी वह ढाल है, जो व्यक्ति को आत्म-सम्मान के साथ जीने की शक्ति देती है और समाज को अराजकता से बचाती है। जो व्यक्ति इसे अपनाता है, वह परिस्थितियों का गुलाम नहीं बनता, बल्कि उन्हें दिशा देता है। वहीं, समाज भी ऐसे व्यक्तियों के माध्यम से स्थिरता, विश्वास और सहयोग की संस्कृति विकसित करता है। इसलिए जिम्मेदारी से भागना नहीं, बल्कि उसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना ही एक सभ्य, सशक्त और शांतिपूर्ण समाज की ओर बढ़ने का एकमात्र मार्ग है।

केंद्रीय मंत्री बोले-पाकिस्तान जा रहा सिंधु का पानी रोका जाएगा

केंद्र सरकार ने तैयार की डीपीआर; राजस्थान समेत 4 राज्यों को मिलेगा फायदा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा- सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान को नहीं दिया जाएगा। पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोककर भारत के हित में उपयोग किया जाएगा। इस पानी का लाभ हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली को मिलेगा। उन्होंने कहा- इसे लेकर केंद्र सरकार की ओर से कार्य योजना तैयार की जा रही है। पाकिस्तान जाने वाले पानी को डायवर्ट करने के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार कर ली गई है। हालांकि, जो पानी मजबूरी में छोड़ा जाता है, उस पर उन्होंने कोई बयान नहीं दिया।

पाटिल ने यह भी बताया कि यमुना जल परियोजना पर काम तेज किया जाएगा, ताकि पानी के बेहतर प्रबंधन और उपयोग से राज्यों को ज्यादा लाभ मिल सके। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को जयपुर में बीजेपी मुख्यालय में मीडिया से ये बात कही।

शेखावाटी को मिलेगा यमुना का पानी केंद्रीय मंत्री ने बताया- राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के 3 जिलों को यमुना का पानी उपलब्ध कराने के मुद्दे पर भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने इस पर सहमति दे दी है और अब डीपीआर बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

उन्होंने कहा- सरप्लस पानी का हिस्सा राजस्थान को मिले, इसके लिए तकनीकी स्तर पर काम किया जा रहा है। संशोधित योजना की डीपीआर मंत्रालय को मिल चुकी है, उसका परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण पूरा होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खेती और पेयजल के लिए जनता को पानी देने का उद्देश्य - ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने के सवाल पर पाटिल ने कहा- यह फैसला केंद्रीय कैबिनेट स्तर पर होता है। उनका उद्देश्य यह है कि खेती और पेयजल के लिए जनता को पर्याप्त पानी मिले, चाहे निवेश किसी भी सरकार द्वारा किया जाए।

घर-घर पानी पहुंचाना राज्यों की जिम्मेदारी - जल जीवन मिशन योजना पर केंद्रीय मंत्री ने कहा- घर-घर पानी पहुंचाना राज्यों की जिम्मेदारी है, लेकिन केंद्र सरकार ने पहली बार इस योजना के तहत राज्यों को 50 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी है। योजना से जुड़ी 4 हजार से अधिक शिकायतें सामने आई हैं। जांच के लिए 119 टीमें गठित की गई थी और दोषियों पर कार्रवाई की गई। राजस्थान में इस मामले में एक पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी भी हो चुकी है।

प्रधानमंत्री की सीट को घेरना दुर्भाग्यपूर्ण - लोकसभा में हुए घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पाटिल ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- कांग्रेस की महिला सांसदों की तरफ से प्रधानमंत्री की सीट को घेरना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकसभा प्रश्न और चर्चा का मंच है, जहां विरोध अपनी सीट पर खड़े होकर भी दर्ज कराया जा सकता है।

12 सालों में स्थिर गति से आगे बढ़ी भारत की अर्थव्यवस्था

देश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा- पिछले 12 सालों में भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर गति से आगे बढ़ी है। सरकार ने महंगाई को नियंत्रण में रखा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह पर भी निशाना साधा।

पाटिल ने कहा- वे एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री होने के बावजूद अपने कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक रैंकिंग में 10-11वें स्थान से आगे नहीं ले जा सके, जबकि आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। कर सुधारों का सकारात्मक असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

यमुना जल परियोजना पर जल्द शुरू होगा काम

यमुना जल परियोजना को लेकर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा- यमुना के पानी पर राजस्थान का अधिकार था, लेकिन पिछली सरकारों ने इस दिशा में ठोस प्रयास नहीं किए। अब हरियाणा और राजस्थान सरकार के बीच डीपीआर तैयार करने पर सहमति बन चुकी है। जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू होगा।

उन्होंने बताया- पाइपलाइन के जरिए पानी लाने की इस योजना की अनुमानित लागत 77 हजार करोड़ से 1 लाख करोड़ रुपए तक हो सकती है। फिलहाल सबसे कम पानी राजस्थान के पास है, लेकिन आने वाले समय में सबसे अधिक पानी राजस्थान के पास होगा। मुख्यमंत्री इस मुद्दे को लेकर लगातार केंद्र से संवाद कर रहे हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आएगा।

हरियाणा में सबके घर का सपना होगा पूरा, फ्लैट की बुकिंग की प्रक्रिया शुरू : डीसी

योजना के तहत रेवाड़ी सहित गुरूग्राम, फरीदाबाद, पानीपत व रोहतक शहर में होगी बुकिंग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत जिन आवेदकों ने फ्लैट के लिए पंजीकरण करवाया था तथा भौतिक सत्यापन प्रक्रिया में पात्र पाए गए है, ऐसे आवेदकों की फ्लैटों के लिए बुकिंग 29 जनवरी से शुरू हो चुकी है।

डीसी अभिषेक मीणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग से लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित फ्लैटों के आवंटन की नीति 23 अक्टूबर 2025 के अंतर्गत रेवाड़ी सहित गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत व रोहतक शहर में फ्लैट बुकिंग प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बुकिंग की राशि 10 हजार रुपए निर्धारित की गई है। डीसी ने बताया कि हरियाणा सरकार हर जरूरतमंद परिवार को घर उपलब्ध

कराने के उद्देश्य से पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस योजना का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मानजनक और सुरक्षित आवास प्रदान करना है, जिससे वे बेहतर जीवन जी सकें। सरकार द्वारा इस योजना के तहत सस्ते और किफायती घर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे शहरी गरीबों को सुरक्षित और स्थायी आश्रय मिल सके। यह योजना गरीबों के लिए सिर्फ एक छत देने तक सीमित नहीं है बल्कि यह उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का भी एक प्रयास है। डीसी ने बताया कि पात्र आवेदकों और उपलब्ध फ्लैट की सूची हाउसिंग फॉर आल विभाग की वेबसाइट www.hfa.haryana.gov.in पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए हाउसिंग फॉर आल विभाग के दूरभाष नंबर 0172-2585852 पर संपर्क कर सकते है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागःराजस्थान में कैंसर से 5 साल में 52 हजार से ज्यादा महिलाओं की मौत

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । देश में महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए कैंसर एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। कैंसर महिलाओं के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। राजस्थान में हर दिन 28 महिलाओं की कैंसर से मौत हो रही है। पिछले 5 साल में ब्रेस्ट, सर्वीक्स और ओवरी के कैंसर से 52 हजार 378 महिलाओं की कैंसर से मौत हुई, जिसमें सबसे ज्यादा 31, 448 मौतें ब्रेस्ट कैंसर, 10,851 सर्वीक्स और 10,079 ओवरी कैंसर के जान जा चुकी है। तीनों कैंसर से मौत में यूपी देश में पहले नंबर पर है। यह खुलासा भास्कर की ओर से तीन तरह के कैंसर का एनालिसिस के दौरान हुआ है। पंजाब, हरियाणा और हिमाचल में हर दिन 17 महिलाओं की कैंसर से मौत हो रही है।

अम्बेडकर पार्क में गरजी आवाज़ः यूजीसी के नए नियम लागू करो, नहीं तो आंदोलन तेज होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

यूजीसी के नए नियमों को शीघ्र लागू करने की मांग को लेकर शनिवार को अम्बेडकर पार्क, झुंझुनूं में एससी, एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यक वर्ग के सामाजिक संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक सामाजिक न्याय अधिकार मंच झुंझुनूं के बैनर तले हुई, जिसकी अध्यक्षता क्रांतिकारी किसान यूनियन के संयोजक पोकर सिंह झाझड़िया ने की। कार्यक्रम की शुरुआत माता रमाबाई अंबेडकर की जयंती पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार को यूजीसी के नए नियमों को कठोरता से लागू करना चाहिए, ताकि कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के साथ हो रहे भेदभाव पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नियम लागू नहीं किए गए तो छात्र आत्महत्याओं और पढ़ाई छोड़ने की घटनाओं में बढ़ोतरी हो सकती है तथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 फरवरी को सुबह 11 बजे जिला कलेक्टर परिसर, झुंझुनूं के सामने धरना-सभा आयोजित कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही मजदूरों और किसानों द्वारा जनविरोधी कानूनों के खिलाफ प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन करने की भी घोषणा की गई। वक्ताओं ने उत्तराखंड के कोटद्वार नगर में एक मुस्लिम दुकानदार के साथ कथित गुंडागर्दी तथा दीपक कुमार पर दर्ज एफआईआर की निंदा करते हुए उसे वापस लेने की मांग की। साथ ही गुजरात के सूरत शहर में घोड़ी पर बैठे एक दलित युवक पर हुए हमले की भी कड़ी आलोचना की गई। सभा को शहीद भगतसिंह विचार मंच के संयोजक बजरंग लाल एडवोकेट,

भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला अध्यक्ष विकास आल्हा, किसान सभा के मदन यादव, गिरधारी लाल महला, रामानंद आर्य, महेंद्र शास्त्री, डॉ. सम्पत भारूपाल, जगदीश बरवड़, शकील फोजी, बलबीर काला, प्रो. जयलाल सिंह, कैलाश दास, विजेंद्र भीम प्रेमी, डॉ. कमलचंद मीणा, प्रदीप चंदेल, धर्मपाल वंशीलाल, शुभकरण महला सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। बैठक में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन बजरंग लाल एडवोकेट ने किया।

एसपी सिद्धांत जैन के नेतृत्व में टोहाना लूट कांड का खुलासा : मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात बदमाश काबू, एक आरोपी पहले ही पुलिस गिरफ्त में

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे अपराध-मुक्त अभियान के तहत सीआईए टोहाना पुलिस ने टोहाना बस अड्डा के सामने स्थित करियाणा स्टोर में फायरिंग कर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों के विरुद्ध बड़ी और प्रभावी कार्रवाई करते हुए मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 04.02.2025 को सायं लगभग 6:30 से 6:45 बजे के मध्य टोहाना बस स्टैंड के सामने स्थित थौक करियाणा विक्रेता गौरव ट्रेडिंग कंपनी की दुकान पर तीन युवकों द्वारा पिस्तौल के बल पर सशस्त्र लूट की गंभीर वारदात को अंजाम दिया गया था। घटना के समय दुकान मालिक धीरज मैहता अपनी दुकान पर मौजूद था। इसी दौरान

मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए तीन युवक दुकान में घुसे और पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए नगदी सौंपने की मांग की। हथियार देखकर दुकानदार घबरा गया और डर के कारण लगभग ?1.50 लाख नकद आरोपियों को सौंप दिए। लूट की वारदात को अंजाम देने के पश्चात आरोपी हवाई फायर करते हुए मोटरसाइकिल पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सीआईए टोहाना एवं थाना शहर टोहाना की पुलिस टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच प्रारंभ की गई।

लूट के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए डीएसपी टोहाना उमेद सिंह के नेतृत्व में चार विशेष पुलिस टीमें गठित कर सक्रिय की गईं। दिनांक 05.02.2026 को मुखबिर की सूचना के आधार पर लूट के एक आरोपी उदित पुत्र सुभाष, निवासी टोहाना को काबू किया गया। पुलिस से बचने के प्रयास में आरोपी भागते हुए गिर गया, जिससे उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया। पूछताछ के दौरान आरोपी से उसके दो अन्य साथियों की पहचान हुई, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी। दिनांक 06.02.2026 को आरोपी कमल उर्फ बच्ची द्वारा अपने इंस्टाग्राम आईडी पर लूट की घटनाओं को लेकर धमकी भरी पोस्ट डाली गई, जिस पर पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम ने तुरंत संज्ञान लेते हुए तकनीकी जानकारी जुटाई और आरोपियों की तलाश को और तेज कर दिया। दिनांक 07.02.2026 को प्रातः सीआईए टोहाना की टीम को सूचना मिली कि दो आरोपी टाउन पार्क, टोहाना के पास मोटरसाइकिल पर सवार होकर घूम रहे हैं। पुलिस टीम द्वारा पीछा किए जाने पर आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी तथा पुलिस वाहन को निशाना बनाया।

पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें दोनों आरोपी कमल उर्फ बच्ची एवं मोनू उर्फ मोनी के पैरों में गोलियां लगीं। दोनों आरोपियों को घायल अवस्था में नागरिक अस्पताल टोहाना लाया गया, जहां से उन्हें अग्रवाल मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा रेफर कर दिया गया।? उल्लेखनीय है कि आरोपी कमल उर्फ बच्ची के विरुद्ध पूर्व में भी बी-13 पर फायरिंग कर फिरौती मांगने का मामला दर्ज है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध अन्य आपराधिक रिकॉर्ड भी अंकित पाए गए हैं। पुलिस द्वारा मामले की गहनता से जांच जारी है तथा जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मच्छरों के काटने से क्या बच्चे इम्यून होते हैं? जानिए सच्चाई और सही इलाज

अक्सर माता-पिता के मन में सवाल होता है कि क्या छोटे बच्चे मच्छरों के काटने से सुरक्षित या इम्यून होते हैं? और अगर मच्छर काट ले तो उसे ठीक करने का सबसे सुरक्षित तरीका क्या है? डॉक्टरों के मुताबिक इसका जवाब जानना बेहद जरूरी है, क्योंकि बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है।

क्या बच्चे मच्छरों के काटने से इम्यून होते हैं?

इसका जवाब है नहीं, बच्चे मच्छरों के काटने से बिल्कुल भी इम्यून नहीं होते। दरअसल बच्चों की इम्यूनिटी पूरी तरह विकसित नहीं होती उनकी त्वचा पतली और संवेदनशील होती है, इसलिए मच्छर के काटने पर ज्यादा लालिमा, सूजन खुजली दिख सकती है। कुछ मामलों में बच्चों को एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकता है।

मच्छर काटने से बच्चों को खतरा

मच्छर सिर्फ खुजली ही नहीं, बल्कि कई बीमारियां फैला सकते हैं जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जीका वायरस। छोटे बच्चों में इन बीमारियों का असर ज्यादा गंभीर हो सकता है।

बच्चों में मच्छर काटने का सबसे सुरक्षित इलाज

ठंडी सिकाई : साफ कपड़े में बर्फ लपेटकर 5-10 मिनट काटे हुए हिस्से पर रखें। इससे सूजन और खुजली कम होती है

एलोवेरा जेल : 100% शुद्ध एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक देता है और जलन कम करता है

कैलामाइन लोशन : डॉक्टर की सलाह से खुजली और लालिमा में राहत देता है

नाखून छोटे रखें : खुजली में बच्चा खरोंच सकता है, जिससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है

साफ-सफाई का ध्यान रखें : काटे हुए हिस्से को साफ पानी से धोएं, गंदे हाथ न लगने दें

इन बातों का रखें ध्यान

6 महीने से छोटे बच्चों पर केमिकल रिपेलेंट न लगाएं, घरेलू नुस्खों में सरसों का तेल, कपूर या तेज चीजें न लगाएं। बिना डॉक्टर की सलाह कोई क्रीम या दवा न लगाएं। बच्चों को बचाने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें, फुल स्लीव कपड़े पहनाएं, घर में पानी जमा न होने दें

बेबी-सेफ मच्छर रिपेलेंट ही इस्तेमाल करें। अगर काटे हुए हिस्से पर बहुत ज्यादा सूजन हो बुखार आ जाए, बच्चा लगातार रो रहा हो, दाने फैलने लगें तो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

पेरेंट्स के लिए जरूरी बात

बच्चे मच्छरों के काटने से इम्यून नहीं होते, बल्कि उन्हें ज्यादा सावधानी की जरूरत होती है। सही इलाज और बचाव से बच्चों को खुजली, इंफेक्शन और गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है। बच्चों की सुरक्षा में छोटी सावधानी, बड़ी बीमारी से बचा सकती है।

सोशल मीडिया के नए ट्रेंड से छोटे बच्चों में बढ़ा मेकअप क्रेज ,डॉक्टरों ने दी चेतावनी

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण अब छोटे बच्चे और टोडलर्स भी स्किनकेयर और मेकअप की ओर आकर्षित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिर्फ बच्चों की त्वचा को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी मानसिकता और सोच पर भी असर डाल रहा है।

बच्चों में स्किनकेयर और मेकअप का चलन क्यों बढ़ा?

आजकल बच्चे सोशल मीडिया वीडियो और ट्रेंड्स को देखकर मेकअप और स्किनकेयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की जिद करते हैं। उन्हें यह सब अपने पेरेंट्स या बड़े बच्चों के व्यवहार से प्रेरित होकर करना पसंद आता है। वैश्विक स्तर पर बच्चों के लिए ब्यूटी और स्किनकेयर मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। सालाना 1.5 बिलियन डॉलर का कारोबार सिर्फ बच्चों के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स से हो रहा है। भारत में भी कई कंपनियां बच्चों के लिए खास प्रोडक्ट्स लॉन्च कर रही हैं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 60 से ज्यादा ऐसे प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

मनोवैज्ञानिकों की चेतावनी

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोशल मीडिया की वजह से अब बचपन और जवानी की सीमा धीरे-धीरे मिटती जा रही है। बच्चे अपनी अहमियत दूसरों की तारीफों से आंकने लगते हैं। लंबे समय तक यह आदत मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

पेरेंट्स के लिए सलाह

डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों ने माता-पिता को सलाह दी है कि बच्चों को बिना समझाए सख्ती से रोकने की बजाय प्यार से समझाएं। बच्चों को केवल फेसवॉश और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करने दें और मेकअप के बजाय स्वच्छता और बुनियादी स्किनकेयर पर ध्यान देना सिखाएं। बच्चों के लिए बढ़ती ग्लास स्किन और मेकअप की चाह को देखते हुए यह जरूरी है कि पेरेंट्स बच्चों की स्किन और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उन्हें सही दिशा में गाइड करें।

विंटर केयर: सर्दियों में बच्चों को कितनी बार नहलाना चाहिए? जानें सही तरीका

सर्दियों का मौसम छोटे बच्चों के लिए थोड़ा नाजुक होता है। ठंडी हवा और सूखा मौसम बच्चों की त्वचा और सेहत पर जल्दी असर डालता है। इस मौसम में बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है और उनकी त्वचा रूखी होने लगती है। इसलिए माता-पिता को बच्चों की देखभाल में खास ध्यान देने की जरूरत होती है, खासतौर पर नहलाने को लेकर। अक्सर साफ-सफाई के चक्कर में की गई छोटी सी गलती भी बच्चों को सर्दी, खांसी या त्वचा की परेशानी में डाल सकती है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही सर्दियों में बच्चों को नहलाने के मामले में संयम बरतने की सलाह देते हैं।

क्या सर्दियों में बच्चों को रोज नहलाना जरूरी है?

नहीं, सर्दियों में बच्चों को रोज नहलाने की जरूरत नहीं होती। रोज नहलाने से त्वचा के नेचुरल ऑयल खत्म हो जाते हैं, जिससे त्वचा और बाल ज्यादा रूखे हो सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, सर्दियों में बच्चों को हफ्ते में 2 से 3 बार नहलाना पर्याप्त होता है।

आयुर्वेद क्या कहता है?

आयुर्वेद के मुताबिक, सर्दियों में वात दोष बढ़ जाता है। बार-बार नहाने से वात और बढ़ सकता है, जिससे बच्चों को सूखी त्वचा, सर्दी और खांसी की समस्या हो सकती है।

बच्चों के बालों की सही देखभाल

छोटे बच्चों की स्कैल्प बहुत संवेदनशील होती है। सामान्य तौर पर हफ्ते में 1 से 2 बार बाल धोना काफी है। अगर बाल ज्यादा ऑयली हों तो 2 से 3 बार धोए जा सकते हैं। सूखे या घुंघराले बालों को 7 से 10 दिन में एक बार धोना बेहतर होता है। बाल धोने के बाद हल्का सा तेल लगाना फायदेमंद रहता है।

बच्चों को नहलाते समय रखें ये जरूरी सावधानियां

हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। बच्चे को सुबह धूप निकलने के बाद या दोपहर में नहलाएं। नहाते समय कमरे के दरवाजे बंद रखें ताकि ठंडी हवा न लगे। नहलाने के तुरंत बाद तौलिए से अच्छे से सुखाएं। बच्चे को गर्म कपड़े और मोजे पहनाएं ताकि शरीर की गर्मी बनी रहे। सर्दियों में बच्चों को जरूरत से ज्यादा नहलाना नुकसानदायक हो सकता है। सही संख्या, सही समय और सही तरीके से नहलाकर ही बच्चों को ठंड से सुरक्षित रखा जा सकता है।

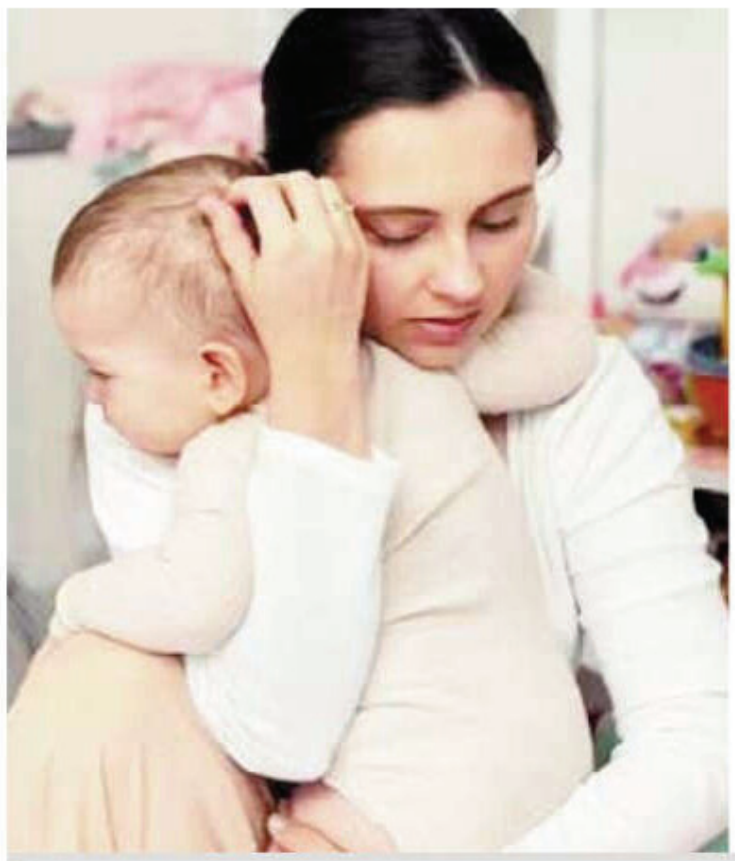

बच्चे के जन्म के बाद यह एक गलती बिल्कुल नहीं करनी चाहिए

गाइनेकोलॉजिस्ट का कहना है कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद नई मां को एक बड़ी गलती से बचना चाहिए। अगर यह गलती हो जाए, तो आगे चलकर शरीर में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए डिलीवरी के बाद खुद का सही ख्याल रखना बेहद जरूरी है। डिलीवरी के बाद महिला का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। इस दौरान सही पोषण, आराम और हल्की-फुल्की गतिविधियां करना बहुत जरूरी होता है ताकि शरीर जल्दी ठीक हो सके। लेकिन कई नई मां अनजाने में एक गलती कर देती हैं, जो उनकी सेहत पर लंबे समय तक असर डाल सकती है।

डिलीवरी के बाद पूरी तरह बेडरेस्ट करना गलत है

डॉ. ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में बताया कि पोस्टपार्टम के दौरान कई तरह के मिथक फैले हुए हैं। सी-सेक्शन या नॉर्मल डिलीवरी के बाद महिलाएं अक्सर सोचती हैं कि उन्हें पूरी तरह बिस्तर पर रहना चाहिए। लेकिन यह बिल्कुल सही नहीं है। बेहतर रिकवरी के लिए हल्की वॉक जरूरी डॉ. हैं कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ज्यादा समय तक एक ही पोजिशन में लेटे रहने से मांसपेशियां अकड़ जाती हैं। इससे लंबे समय तक पीठ दर्द, हाथ-पैरों में दर्द और कमजोरी की समस्या बनी रहती है।

पैरों में खून का थक्का जमने का खतरा

एक्सपर्ट के अनुसार, प्रेग्नेंसी के दौरान खून में बदलाव होते हैं, जो डिलीवरी के बाद भी बने रहते हैं। अगर नई मां लंबे समय तक बिस्तर पर लेटी रहती हैं, तो उनके पैरों में खून का थक्का (ब्लड क्लॉट) बनने का खतरा बढ़ जाता है। यह एक गंभीर समस्या हो सकती है और समय पर ध्यान न दिया जाए तो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती है।

डिलीवरी के बाद हल्की वॉक शुरू करें। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न रहें। मांसपेशियों की अकड़न को रोकने के लिए स्ट्रेचिंग और हल्की एक्सरसाइज करें। अपने डॉक्टर से हमेशा सलाह लेकर ही गतिविधियां बढ़ाएं। इस तरह छोटी सी सावधानी से नई मां दर्द, कमजोरी और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकती हैं और जल्दी ठीक हो सकती हैं।

बच्चे को स्कूल भेजने से पहले कभी नहीं करने चाहिए ये काम

बिगड़ जाएगा दिन, पढ़ाई में भी नहीं लगेगा मन

अक्सर ही जाने-अनजाने में पैरेंट्स सुबह के समय ऐसे काम कर देते हैं जिनसे बच्चे का पूरा दिन स्कूल में खराब हो सकता है. ऐसे में आप भी जान लीजिए कौनसी हैं ये गलतियां जिनसे परहेज किया जाना जरूरी है.

सुबह का समय घर में बेहद उथल-पुथल वाला होता है. किसी को खाना बनाने की टेंशन रहती है तो किसी को ऑफिस जाने की. वहीं, बच्चे स्कूल जाने की तैयारी में लगे रहते हैं. कहते हैं सुबह व्यक्ति अच्छे मूड से बाहर निकलता है तो उसका दिन भी अच्छा जाता है और अगर सुबह ही मूड ठीक ना रहे तो दिनभर चिड़चिड़ाहट होती है और किसी काम में मन नहीं लगता. यह बात बच्चों पर भी लागू होती है. अगर सुबह के समय घर का माहौल ठीक ना रहे या पैरेंट्स कुछ ऐसा कह दें जिससे बच्चे का मूड खराब हो जाए तो स्कूल का पूरा दिन भी अच्छा नहीं बीतता है. ऐसे में यहां ऐसी ही 5 गलतियों का जिक्र किया जा रहा है जिन्हें पैरेंट्स को सुबह बच्चे को स्कूल भेजने से पहले करने से बचना चाहिए.

बच्चों पर चिल्लाना

सुबह के समय बच्चे को चिल्लाकर उठाने या फिर बच्चे पर चिल्लाने से परहेज करना चाहिए. इससे बच्चे का पूरा दिन खराब हो सकता है. बच्चे को आराम से जगाना चाहिए और उसे अच्छे मूड के साथ ही स्कूल भेजने की कोशिश करनी चाहिए. इससे बच्चे के दिन की शुरुआत पॉजीटिव होती है.

बच्चे को रुलाकर स्कूल भेजना

अक्सर ही जब सुबह बच्चे को डांटा जाता है या उससे कठोर आवाज में बात की जाती है तो इससे बच्चा रोने लगता है.

पैरेंट्स को लगता है कि यह बच्चे का स्कूल ना जाने के लिए एक और नाटक है और इसीलिए वे उसे रोता हुआ ही स्कूल भेज देते हैं. लेकिन, ऐसा नहीं करना चाहिए. इससे बच्चे का दिन बिगड़ जाता है.

कठोर बातें कहकर स्कूल भेजना

बच्चे को कठोर बातें कहकर स्कूल नहीं भेजना चाहिए. माना पैरेंट्स चाहते हैं कि बच्चा स्कूल में जाकर पढ़ने पर ध्यान दे और आनाकानी ना करे, लेकिन इसके लिए उसे कठोर बातें कहना या ऐसी बातें कहना जो उसके मन को ठेस पहुंचाती हैं, सही नहीं हैं. कोशिश करनी चाहिए कि बच्चे को अच्छी बातें कहकर या प्यार से बातें समझाकर ही स्कूल भेजा जाए.

आपके लिए और..

ऐसा कौन सा शहर है जिसे हम खा सकते हैं? जबाव बताओ

द?ल?ली वालों की 100 रुपये में मौजां ही मौजां, जेब में हैं बस 100 रुपये तो भी द?ल?ली की सैर कर सकते हैं आप, जानें कैसे

50 की उम्र में भी दिखेंगी 25 की, बस रोज रात को सोने से पहले करें इस अंग की मालिश

घर में हबड़-तबड़ मचाना

कई बार पैरेंट्स लेट उठते हैं और फिर बच्चे को लेट उठाते हैं जिससे घर में हबड़-तबड़ का माहौल हो जाता है. इससे बच्चे को समझ ही नहीं आता कि हो क्या रहा है और कई बार यह हड़बड़ाहट किसी बर्तन के टूटने की वजह बन जाती है या इससे बच्चे को घबराहट होने लगती है. इसीलिए ऐसा नहीं करना चाहिए.

जल्दबाजी में नाश्ता करवाना

अगर नाश्ता सही तरह से, समय लेकर और अच्छे से चबा-चबाकर ना किया जाए तो इससे तो बड़ों का ही पेट बिगड़ने लगता है, तो बेचारे मासूम बच्चे कैसे पेट की दिक्कतों से बचेंगे. अगर बच्चों को जल्दी-जल्दी नाश्ता करवाया जाए तो इससे बच्चे के पेट में गैस बन सकती है, पेट में दर्द हो सकता है और एसिडिटी या जी मितलाने की दिक्कत से दोचार होना पड़ सकता है. इसीलिए बच्चे को समय से उठाएं और आराम से नाश्ता करने के लिए कहें.

लोहिया स्कूल में काव्य पाठ का आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाया व कौशल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

लोहिया इंग्लिश मीडियम स्कूल में आज काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन रामसिंह नेहरा, जगपाल यादव प्रधानाचार्या प्रमोदिनी दुबे, प्रमिला झाझड़िया, ममता नेहरा, पूरणमल गजराज सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता का आयोजन प्राइमरी विभाग की कक्षा 3 एवं 4 के विद्यार्थियों के मध्य किया गया, जिसमें कुल 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने पेड़ बचाओ, वीर शिवाजी, भगत सिंह, परिश्रम का एवं समय का महत्व जैसे विषयों पर प्रभावशाली कविताओं का पाठ किया, जिसे उपस्थितजनों ने सराहा।प्रतियोगिता में कक्षा 3 की मानवी और दक्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, इनाया एवं भाग्या ने द्वितीय स्थान तथा भावेश, गुंजन, सुशील, भव्य एवं रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की निर्णायक भूमिका विभा गुप्ता, मोनिका सैन एवं शिल्पा झुंझुनूवाला ने निभाई। इस अवसर चेयरमैन रामसिंह नेहरा, प्रधानाचार्य प्रमोदिनी दुबे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का मंच संचालन काजल शर्मा एवं माया जाँगिड़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। अंत में विद्यालय प्रबंधन की ओर से विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मीणा समाज धर्मशाला की चारदीवारी का लोकार्पण, विधायक ललित यादव ने बड़े हॉल निर्माण की घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

(रमेशचंद) । नीमराना उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर कस्बे में मीणा समाज की चौपाल धर्मशाला की नव-निर्मित चारदीवारी का शनिवार दोपहर मुंडावर विधायक ललित यादव ने विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया। समाज के सामूहिक सहयोग से लगभग 21 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस चारदीवारी को समाज की एकजुटता का प्रतीक बताया गया। विधायक ललित यादव ने कहा कि समाज के सामूहिक प्रयास से हुआ यह निर्माण कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। विधायक ने मौके पर ही मीणा समाज की चौपाल में पंचायत राज चुनाव के बाद एक बड़े हॉल के निर्माण की घोषणा की और कहा कि वे सदैव विकास कार्यों के लिए तत्पर रहेंगे। पूर्व एडिशनल एसपी बने सिंह मीणा ने बताया कि मीणा समाज के लोगों के सामूहिक सहयोग से चारदीवारी का निर्माण कराया गया है, जो समाज की एकता और सहयोग भावना का उदाहरण है। विधायक द्वारा हॉल निर्माण की घोषणा पर समाज के लोगों ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक ललित यादव का ढोल- नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया और फूल-माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच संघ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सिरयानी सरपंच उमाशंकर यादव, नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, पंचायत समिति सदस्य ऋषि यादव व धाकड़ यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शायर सिंह ने किया। इस मौके पर मीणा समाज अध्यक्ष राजेंद्र मीणा, पूर्व सरपंच शैतान सिंह मीणा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी बहादुर सिंह मीणा, रामानंद मीणा बाबूजी, ओमप्रकाश मीणा, समाज सचिव बहादुर सिंह, बनवारी लाल, अनिल, राजेश मीणा, शीशपाल सिंह, हरि सिंह मीणा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत लांबा गोठड़ा में सांसद व विधायक ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

ग्राम पंचायत लांबा गोठड़ा में आज सांसद बृजेंद्र ओला एवं पिलानी विधायक पितराम सिंह काला ने सांसद, विधायक एवं पंचायत कोटे से पूर्ण हुए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान तीन ट्यूबवेल, आंगनबाड़ी केंद्र तथा विधायक पंचायत कोटे से लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बनी सड़कों का उद्घाटन किया गया।सभा को संबोधित करते हुए सांसद बृजेंद्र ओला ने कहा कि कांग्रेस शासन में जितने विकास कार्य हुए, उतने पहले कभी नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के दो साल के कार्यकाल में कोई नया विकास नहीं हुआ और वर्तमान में भाजपा कांग्रेस सरकार के समय हुए कार्यों का ही फीता काट रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसान और मजदूर विरोधी है तथा मनरेगा जैसी योजना को बंद कर देना मजदूर वर्ग के साथ अन्याय है।पिलानी विधायक पितराम सिंह काला ने कहा कि प्रदेश में दो वर्षों से शासन व्यवस्था नाम की कोई चीज नजर नहीं आ रही है। विधायक की कलेक्टर नहीं सुन रहा, मंत्री की मुख्यमंत्री नहीं सुन रहा और मुख्यमंत्री स्वयं कह रहे हैं कि उनकी कोई नहीं मान रहा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता आज कांग्रेस शासन को याद कर रही है। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य विनीता रणवा, सरपंच संजय सैनी, पूर्व प्रधान शेर सिंह नेहरा, निहाल सिंह रणवा सहित अन्य वक्ताओं ने भी विचार रखे। इससे पूर्व सांसद और विधायक को नूनिया गोठड़ा से वाहन रैली व डीजे के साथ सभा स्थल तक लाया गया। कार्यक्रम में विजय मील जिला अध्यक्ष राजीव गांधी पंचायत राज संगठन, विपिन नूनिया उप प्रधान चिड़ावा पंचायत समिति, जिला परिषद सदस्य नरेंद्र लमोरिया, बख्तावरपुरा सरपंच अनिल कटेवा, खुडाना सरपंच सूबे महावीर सिंह, पूर्व सरपंच ओजटू विनोद डांगी, मदनलाल सैनी, लालचंद सैनी, संत कुमार भांभू, अनिल जांगिड़ पिलानी, बार काउंसिल झुंझुनूं के पूर्व अध्यक्ष शीशराम सैनी, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पिलानी विनोद काजला, ब्लॉक अध्यक्ष झुंझुनूं सुमेर सिंह, सुनील जानू, महावीर लांबा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।सभी अतिथियों द्वारा भामाशाह शुभकरण सैनी की ओर से बालाजी मंदिर में पांच लाख रुपये की लागत से निर्मित टीन शेड का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के अंत में ग्राम पंचायत लांबा गोठड़ा के पांच वर्षीय कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों का पोस्टर विमोचन किया गया।

शाहजहांपुर में श्री बाबा जोधा भगत जी का विशाल भंडारा, विधायक ललित यादव ने की पूजा-अर्चना

भीम प्रज्ञा न्यूज़. शाहजहांपुर।

नीमराना उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर कस्बे में हर वर्ष की भांति इस बार भी शनिवार को श्री बाबा जोधा भगत जी के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा व उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुंडावर विधायक ललित यादव ने बाबा जोधा भगत जी मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया तथा हिंदू परंपरा के अनुसार आम श्रद्धालुओं के साथ पंगत में बैठकर बाबा की प्रसादी ग्रहण की। भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में मीणा समाज सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी व गणमान्य लोग मौजूद रहे। बाबा जोधा भगत जी के भंडारे की सेवा में क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। इस अवसर पर मीणा समाज अध्यक्ष राजेंद्र मीणा, बलराम फौजी, शायर सिंह मीणा, जयनारायण थानेदार, रामानंद बाबूजी, शैतान सिंह मीणा, हवासिंह मीणा, बबल मास्टर, इंद्र पंच, राजू रोजड, राजेश मीणा एडवोकेट, राकेश मीणा, उपसरपंच राजू मीणा सहित मीणा समाज के सभी लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजजनों व ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा। आयोजन को लेकर पूरे कस्बे में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

असामाजिक तत्वों ने अंबेडकर सर्किल पर लगी सीमेंट की जालियां तोड़ी, लोगों में भारी आक्रोश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बूंदी।

शहर के मुख्य आकर्षण और श्रद्धा के केंद्र संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सर्किल' पर असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। हाल ही में प्रशासन द्वारा कराए गए रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण को इन उपद्रवियों ने भारी नुकसान पहुँचाया है।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही प्रशासन ने सर्किल की मरम्मत करवा कर यहाँ लगी सीमेंट की जालियों को नया डिज़ाइन दिया था , लेकिन अज्ञात शरारती तत्वों ने इन जालियों को तोड़ दिया, जिससे सर्किल की भव्यता और सुंदरता बिगड़ गई है। स्थानीय निवासियों में इस घटना को लेकर गहरा रोष है। सर्किल के आसपास सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। प्रशासन और पुलिस से मांग की जा रही है कि:- कैमरों की फुटेज खंगाली जाए ताकि दोषियों की पहचान हो सके।सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। भविष्य में ऐसी घटना दोहराई नहीं जाए और इस तरह की घटना को रोकने के लिए सर्किल पर पुलिस गश्त बढ़ाई जाए।प्रेम नारायण मेहरा भीम आर्मी के पूर्व जिला जिलाध्यक्ष ने बताया कि असामाजिक तत्वों द्वारा सर्किल पर लगी जालियों को तोड़ने पर संगठन में आक्रोश है और प्रशासन इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता हैं तो बहुजन समाज के सामाजिक संगठन सड़को पर उतरेंगा।

नेपाल की धरती पर भारतीय युवा देवांग जोशी को डेटा साईंस के क्षेत्र में मिला एशिया कॉन्टिनेंट आवार्ड

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर/काठमांडू।

नेपाल में आयोजित अंतरास्ट्रीय समरसता मंच द्वारा भारतीय युवा देवांग जोशी को डेटा साईंस एवं ए आई के क्षेत्र में किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। श्री जोशी का कार्य क्षेत्र मुख्य रूप से भारत इंडोनेशिया एंव संयुक्त राज्य अमेरिका रहा है। ये फार्च्यून 50 कंपनियों को इस तेजी से बदलती दुनिया में आगे बने रहने में डेटा मैनेजमेंट एंव ए आई के माध्यम से मदद कर रहे है। इन्होने मणिपाल इन्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बी टेक की पढ़ाई की है जहां से माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ श्री सत्य नडेला ने भी बी टेक की पढ़ाई पूरी कई थी। इसके बाद श्री जोशी ने संयुक्त राज्य अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिनसिनाटी से बिज़नेस एनालिटिक्स में मास्टर्स करने के बाद उन्होंने कंसल्टेंसी के क्षेत्र में दुनिया की बिग फोर कंपनी में से एक अर्नेस्ट एंड यंग कंपनी शिकागो में सीनियर कंसल्टेंट के तोर पर कार्य किया है। नेपाल की धरती काठमांडू में अंतरास्ट्रीय समरसता मंच द्वारा हुकुम चंद गणेशिया जी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में महामहिम न्यायमूर्ती परमानन्द झा प्रथम उपराष्ट्रपति नेपाल सरकार, राजेंद्र महतो पूर्व उप प्रधान मंत्री नेपाल सरकार, नारायण प्रसाद पूर्व विदेश मंत्री नेपाल सरकार, विष्णु हरी पूर्व राजदूत जापान एव मधेश प्रदेश के मुख्य मंत्री कृष्ण प्रसाद यादव द्वारा यह अवार्ड दिया गया।

सहीराम मेघवाल बने बीकानेर जिला कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान कांग्रेस संगठन में जमीनी सक्रियता और पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए सहीराम मेघवाल को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। एससी प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष ममता भूपेश के निर्देशानुसार उन्हें बीकानेर जिला कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सहीराम मेघवाल ने प्रदेश अध्यक्ष ममता भूपेश का आभार जताया। उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बीकानेर लोकसभा प्रत्याशी 2024 गोविंद राम मेघवाल को अपना राजनीतिक गुरु बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में ही उन्होंने राजनीति की बारीकियां सीखी हैं। उन्होंने खाजूवाला सहित पूरे जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। सहीराम मेघवाल लंबे समय से कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र से लेकर बीकानेर लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। दलित समाज और युवाओं के बीच उनकी सक्रियता को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह दायित्व सौंपा है। नियुक्ति की खबर मिलते ही बीकानेर और खाजूवाला क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने इसे मेहनत और निष्ठा का परिणाम बताते हुए खुशी जताई।सहीराम मेघवाल ने कहा कि वे अपने गुरु गोविंद राम मेघवाल के पदचिन्हों पर चलते हुए जिले में कांग्रेस और एससी प्रकोष्ठ को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। उनका लक्ष्य समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाना रहेगा।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक डोटासरा आज लक्ष्मणगढ़ आयेंगे

स्टेडियम में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन एवं जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह में करेंगे शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । पंचायती राज व निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से चुनावी तैयारी शुरू कर दी गई। पार्टी की ओर से रविवार 8 फरवरी को प्रात:11.15 बजे नेहरू स्टेडियम में लक्ष्मनगढ विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में लक्ष्मनगढ विधायक पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह भी आयोजित होगा। सम्मेलन में लक्ष्मनगढ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य, प्रत्याशी व दावेदार, पंच सरपंच, प्रत्यासी व दावेदार पार्षद, पार्षद प्रत्याशी व दावेदारों , निवर्तमान प्रधान, चैयरमेन सहित कांग्रेस के पदाधिकारी, सदस्य, कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे । इस अवसर पर जिला कांग्रेस के पदाधिकारी भी शिरकत करेंगे। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मनगढ विधानसभा क्षेत्र मे लक्ष्मणगढ़ व नेछवा पंचायत समिति व एक नगरपालिका थी जिन पर कांग्रेस का ही कब्जा था जबकि परिसीमन के बाद आगामी पंचायती राज चुनाव में यहां तीन पंचायत समिति बन गई जिनमें बलारां इस बार नई पंचायत समिति बनी है लक्ष्मनगढ और नेछवा पहले से ही पंचायत समिति बनी हुई है ऐसे में लक्ष्मनगढ विधानसभा क्षेत्र में इस बार तीन प्रधान चुने जाने हैं जबकि लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका में परिसीमन के बाद 45 हो गये है। नगरपालिका में ग्रामीण अंचल के गांव नरोदडा व मानासी को शामिल कर 40 वार्डों को बढ़ाकर 45 कर दिए गये। नगरपालिका पर भी भाजपा का कब्जा था। पार्टी रणनीति बना रही है कि लक्ष्मनगढ व नेछवा पंचायत समितियों पर व लक्ष्मनगढ नगरपालिका पर कब्जा बरकरार रखा जाएं तथा बलारां पंचायत समिति पर भी कांग्रेस का कब्जा किया जाएं।

विद्यार्थियों को बताई जीवन सुरक्षा से जुड़ी सावधानियां

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । वंश फाउंडेशन व झुंझुनूं जागृति मंच के द्वारा सनातन धर्म पंचायत विधालय में जीवन सुरक्षा पर जन जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसीपल डा. विद्या पुरोहित ने की। जिसमें रामगोपाल महमिया ने विधार्थियों को रोजमर्रा के जीवन में लापरवाही की बजाय सावधानी बरतने व दुर्घटना या आपातकालीन परिस्थितियों में घायलों की मदद कर तुरंत नजदीक के अस्पताल पहुंचाने की अपील की। वंश फाउंडेशन के रमाकांत पारीक ने जीवन सुरक्षा की शपथ दिलवाई। इस मौके पर मनीष मील, मूलचंद खोवाल, फारुक अली, माया शर्मा, आशा यादव, कांता सैनी, विनीता शर्मा ,साकेत मौर्य, बीरबल बामल, संदीप शेखावत, जावेद अली, प्रशान्त कुमार, अरुण सारी, नवीन कुमार सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

स्वस्थ पत्रकारिता ही जनता के आँसू पोंछने का माध्यम: प्रो. रमेश कुमार रावत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । अखिल भारत वर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी एवं सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गंगटोक (सिक्किम) के कुल सचिव प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने कहा कि पत्रकार अपनी कलम के माध्यम से समाज के दु:ख-दर्द को दूर कर सकते हैं। यदि पत्रकारिता स्वस्थ, निष्पक्ष और जनहित में हो तो वह पीड़ित जनता के आँसू पोंछकर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकती है। वे चौमूं शहर के गढ़ गणेश मंदिर में आयोजित एक सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर प्रेस क्लब चौमूं के पदाधिकारियों एवं क्षेत्र के पत्रकारों का सिक्किम के हिमालयी प्राकृतिक ओंकार लिखित पंचमुखी रुद्राक्ष की कंठी पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।प्रो. रावत ने एक मुखी से लेकर चौदह मुखी रुद्राक्ष तक का महत्व बताते हुए उसके आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पक्ष की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान शिव ने अपने भक्तों के दु:ख हरने के लिए अपने आँसुओं के रूप में बहुमुखी रुद्राक्ष प्रदान किए, उसी प्रकार पत्रकारों को भी अपनी कलम रूपी स्याही की बूँदों को रुद्राक्ष मानकर समाज हित में लेखनी चलानी चाहिए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। समारोह में मंदिर पुजारी बाल कृष्ण शर्मा, एडवोकेट पुष्प मित्र भारद्वाज, राकेश माहेश्वरी, कमल माहेश्वरी, नव निर्वाचित प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ. के.एल. कुमावत, उपाध्यक्ष विकास शर्मा, पत्रकार डॉ. सीताराम कुमावत, गोविन्द सैनी, अमित कुमावत, गोविंद तिवाड़ी, राजेंद्र सैनी, मदन सैनी, युवराज कुमावत सहित अनेक पत्रकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व, निष्पक्षता और जनहित की भूमिका पर भी विचार-विमर्श हुआ। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

शहरी सरकार के आगामी चुनाव को लेकर मुखिया के नाम के चर्चे लाटरी से पहले ही होने लगें है शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । राज्य सरकार की ओर से अप्रैल से पूर्व निकाय व पंचायती राज के चुनाव को लेकर की जा रही कवायद के बीच मुखिया और प्रधानी के चर्चे आरक्षण की लाटरी से पहले ही होने लगें है । लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में इस बार दो नवीन पंचायत समितियों के गठन होने से तीन प्रधान बनेंगे। जिसमें बलारां और नेछवा परिसीमन में नई पंचायत समिति बनाई गई है जबकि लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति पहले से ही है ऐसे में विधानसभा क्षेत्र में इस बार तीन प्रधान बनने है । लाटरी में कौन सी पंचायत समिति में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व सामान्य होगी यह संभवत: इस माह के आखिरी में स्पष्ट हो सकता है। यही स्थिति शहरी सरकार के मुखिया के लिए प्रक्रिया अपनाई जानी है। राजनीति के जानकार बताते हैं कि शहरी सरकार के मुखिया का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से नहीं होंगे। बल्कि पार्षद ही मुखिया चुनेंगे। ऐसे में मुखिया के चर्चे अभी से होने लगें है और अपने अपने नजरिए से कयास भी लगाए जा रहे हैं। जिनमें सामान्य रहने की स्थिति में कांग्रेस से बनवारी पाण्डेय,पवन शर्मा व सुभाष जोशी सशक्त और मजबूत दावेदार के रुप में उभर आ रहे हैं। जबकि भाजपा में मधुसूदन दायमा, अमित जोशी, एडवोकेट ललित पुरोहित, सामान्य महिला के रूप भाजपा से डॉ अर्चना पुरोहित, विनीता पुजारी जबकि कांग्रेस में श्रीमती संतोष जोशी, श्रीमती चांदनी शर्मा जबकि ओबीसी मे कांग्रेस से बादल सैनी, एडवोकेट सत्यनारायण सैनी, राकेश सैनी, सुशील चेजारा, भाजपा से जगदीश सैनी,संपत चेजारा, राधेश्याम बारी, ललित पंवार आदि के नाम की चर्चा है । यह दिगर है कि आरक्षण की लाटरी में वार्ड की स्थिति कैसी होगी तब सियासी समीकरण में मुखिया के नाम में बदलाव होने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। परिसीमन में लक्ष्मनगढ नगरपालिका क्षेत्र में वार्डों की संख्या में बढ़ोतरी से समीकरण बदले बदले नजर आएंगे। यहां 40 वार्डों से बढ़ाकर 45 वार्ड कर दिए गए हैं। जिनमें सीमा विस्तार करते हुए ग्रामीण अंचल के नरोदडा व मानसी गांव को शामिल करते हुए 5 वार्डों की बढ़ोतरी की गई है। इन क्षेत्रों के सरपंच, प्रत्याशी व दावेदार अब पार्षद के लिए अपना भाग्य आजमा सकते हैं।

मनरेगा में बदलाव से महिलाओं की आजीविका पर संकट, पीड़ित श्रमिकों से मिले बिशनाराम सियाग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में किए गए परिवर्तनों को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसी संदर्भ में जिला कांग्रेस कमेटी देहात के अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने पीड़ित मनरेगा श्रमिक महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं।संवाद के दौरान महिलाओं ने बताया कि मनरेगा ही उनके परिवार की आय का मुख्य साधन रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले काफी समय से उनसे कार्य तो करवा लिया गया, लेकिन मजदूरी का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। इससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। महिलाओं ने कहा कि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में मनरेगा में बदलाव उनके लिए दोहरी मार साबित हो रहा है। कई श्रमिक महिलाओं ने बताया कि काम की कमी और भुगतान में देरी के कारण उन्हें कर्ज लेने या अन्य स्थानों पर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बिशनाराम सियाग ने कहा कि सरकार को मजदूरों और विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए मनरेगा योजना को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि बकाया मजदूरी का शीघ्र भुगतान किया जाए और योजना में ऐसे बदलाव न किए जाएं, जिससे गरीब एवं मेहनतकश वर्ग की आजीविका प्रभावित हो।उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए मनरेगा जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है।

बाबा भगवानदास उच्च माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । मुंडावर उपखंड के जाट बहरोड़ गांव स्थित बाबा भगवानदास उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को वार्षिक उत्सव एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता का सुंदर समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कोच राजकुमार यादव, जाट बहरोड़ सरपंच सुरेंद्र चौधरी (बिल्लू), जालावास सरपंच अजीत यादव, जसाई सरपंच वीरेंद्र भारद्वाज (वीरू पंडित), कारोड़ा के पूर्व सरपंच राजाराम, नीमराना थाना प्रभारी राजेश मीणा, एमएसडी स्कूल शाहजहांपुर के निदेशक मनराज चौधरी, जाट बहरोड़ भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष यादव तथा अंतरराष्ट्रीय राठ महोत्सव मंच नीदरलैंड के निदेशक डॉ. रामनिवास तक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', शिक्षा के महत्व और भारतीय संस्कृति संरक्षण जैसे सामाजिक संदेशों पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। मुख्य अतिथि देवेंद्र कुमार विश्नोई ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने की अपील की। समारोह के दौरान विद्यालय के उत्कृष्ट परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय निदेशक अशोक चौधरी एवं स्टाफ ने अतिथियों का फूलमाला, साफा एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का मंच संचालन अखिलेश जोशी और गजेंद्र सिंह ने प्रभावी ढंग से किया।

सिंचाई पाइप लाइन योजनाः बिरदाराम के लिए राहत लाया ग्राम उत्थान शिविर

पाइप लाइन पर मिली पन्द्रह हजार रुपए की सब्सिडी, मुख्यमंत्री का जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित किए जा रहे ग्राम उत्थान शिविरों में ग्रामीणों को राहतभरी खुशियां मिल रही हैं। कृषि सहित विभिन्न योजनाओं का हाथोंहाथ लाभ पा किसान प्रसन्नचित हैं। श्रीडूंगरगढ़ के गिरदावर सर्किल गुसांईसर में शनिवार को आयोजित ग्राम उत्थान शिविर में भी ऐसा दृश्य देखने को मिला, जब शिविर में आए प्रगतिशील किसान बिरदाराम पुत्र करणाराम मेघवाल को पाइप लाइन पर प्राप्त अनुदान मिलने से उनके चेहरे पर संतोष का भाव दिखा।बिरदाराम को राज्य सरकार की 'पाइप लाइन योजना' के तहत पाइप खरीदने पर पन्द्रह हजार रुपए के अनुदान की राशि मिली। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा एवं राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। बिरदाराम ने कृषि विभाग के अधिकारियों के माध्यम से पाइप लाइन योजना सब्सिडी के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन करने के बाद उनके खातेदारी के खेत का प्री-वेरिफिकेशन हुआ और पाइप लाइन योजना के तहत अनुदान की प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी गई। प्रशासनिक स्वीकृति के बाद पंजीकृत अनुबंधित विक्रेता से नियमानुसार पाइप लाइन खरीद की। विभागीय अधिकारियों द्वारा सत्यापन पश्चात वित्तीय स्वीकृति के आदेश जारी हुए और उन्हें सब्सिडी राशि मिली। सहायक निदेशक (उद्यान) मुकेश गहलोत ने बताया कि ट्यूबवैल या कुएं से खेत तक बिना छीजत के पानी पहुँचाने के लिए पाइप लाइन का उपयोग किया जाता है। इससे पानी की 20-25 प्रतिशत तक बचत होती है। लघु एवं सीमान्त कृषकों को इकाई लागत का 60 प्रतिशत या अधिकतम राशि रुपये 18,000/- जो भी कम हो तथा अन्य कृषकों को इकाई लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम राशि रुपये 15,000/- जो भी कम हो, अनुदान देय है। ग्राम उत्थान शिविर में सहायक कृषि अधिकारी हितेश जांगिड़, कृषि पर्यवेक्षक रवीना व बनवारी लाल सैनी सहित प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

सिंघाना में भव्य कलश यात्रा के साथ मनाया गया 90वां त्रिमूर्ति महाशिवरात्रि पर्व

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा सिंघाना द्वारा 90वां त्रिमूर्ति महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा, उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पोस्ट ऑफिस के पास स्थित ब्रह्माकुमारी सेंटर से भव्य कलश यात्रा के साथ हुई, जो गंगा माई कुण्ड तक निकाली गई। यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम स्थल पर लता दीदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात बाल कलाकारों–छवि, प्रिया, तन्नू, लक्ष्य, राधा आदि–ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य वक्ता के रूप में नारनौल से पधारी कमल दीदी ने शिव जयंती के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिव के गुणों–शांति, पवित्रता और करुणा–को जीवन में अपनाकर व्यक्ति स्वयं व समाज दोनों का कल्याण कर सकता है। मुख्य अतिथि शकुंतला यादव ने संस्था द्वारा समाज में फैली बुराइयों को मिटाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। वहीं विशिष्ट अतिथि सुगन सिंह चौधरी (एसएचओ, सिंघाना) एवं दारा सिंह (बीईडीओ) ने भी अपने विचार रखते हुए सामाजिक सुधार का आह्वान किया। मंच संचालन चिड़ावा से पधारी स्नेह दीदी ने किया। बहनों ने गंगा माई कुण्ड परिसर में कार्यक्रम आयोजन हेतु अध्यक्ष मनोज कुमार व उनके स्टाफ का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में श्रीमती बनेश्वरी बहन, पवन अग्रवाल, मातूराम, दिगम्बर नाडिया, जगदीश यादव, बाबूलाल, भंवरलाल, दिनेश जांगिड़, राधेश्याम, नवल किशोर, गोगराज, जगराम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाई-बहन उपस्थित रहे।

राजस्थान पब्लिक स्कूल में 'उड़ान-2026' वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

शिक्षा के सुदृढ़ आधार से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सकता है संभव :- खिचड़

संस्था के छात्र छात्राओं ने दी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां

पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, थानाधिकारी रामनारायण चोयल, निदेशक हरलाल मोगा, प्यारेलाल ढूकिया रहे मंचासिन।

बोर्ड परीक्षा सहित सभी अन्य कक्षाओं में अव्वल 273 प्रतिभाओं को मोमेंटो ओर नगद राशि प्रदान कर किया पुरस्कृत।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

संस्था परिवार की ओर से सभी आगंतुक मेहमानों का साफा शॉल माल्यार्पण कर किया सम्मान

कस्बे में बिसाऊ चौराहे पर ढीगाल रोड स्थित राजस्थान पब्लिक स्कूल में शनिवार को 'उड़ान-2026' वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन ओर छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम उमंग में पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ के मुख्य अतिथि उपस्थित थे। अध्यक्षता जिला भाजपा नेता इंजी. प्यारेलाल ढूकिया तथा मुख्य अतिथि सीबीईओ पवन कुमार मंडावा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप मे थानाधिकारी रामनारायण चोयल, निदेशक हरलाल मोगा संदीप शर्मा,दयानंद दुकिया एनआरडीडी संस्थान झुंझुनूं,राजबाला खीचड़ एपीसी समसा झुंझुनूं, सुशील कुमार प्रधानाचार्य मोजास, पवन कुमार सीबीईओ, मंडावा जवाहर काला प्रधानाचार्य हनुमानपुरा, सुभाष मोगा मंचासिन रहे। संस्था परिवार की ओर से सभी आगंतुक मेहमानों का साफा शॉल माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार द्वारा बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स सहित सभी अन्य कक्षाओं में अव्वल रहने वाली करीब 273 प्रतिभाओं को मोमेंटो ओर नगद राशि प्रदान कर पुरस्कृत किए गया। संस्था के छात्र छात्राओं द्वारा राजस्थानी लोक गीतों पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। इस अवसर पर संस्था निदेशक हरलाल मोगा ने वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि प्यारेलाल ढूकिया ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के सुदृढ़ आधार से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव हो सकता है। सभी को कठिन मेहनत ओर लक्ष्य के अनुसार आगे बढ़ाना चाहिए जिससे अपने मुकाम को हासिल कर सकते हैं। वहीं थानाधिकारी रामनारायण चोयल ने बच्चो को समय की पालना, अनुशासन ओर ध्येय बनाकर आगे बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने साइबर फ्रॉड, यातायात नियमों की पालना, डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों को लेकर भी जागरूक किया। पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार ने कहा कि जीवन में अनुशासन,समय की पालना ओर परिश्रम के साथ लक्ष्य निर्धारण ही मंजिल तक पहुंचा सकता है। अनुशासन से कोई बड़ा नहीं है। अनुशासन से ही व्यक्ति महान बन सकता है। समापन पर संस्था के प्रधानाचार्य अशोक मोगा ने सभी मेहमानों, अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश राहर,सुखदेव ऐचरा ,भगवान पूनिया,अमी लाल मोगा, जोधराज जानू, शिशुपाल बुडानिया, दयानंद कुल्हरी, रघुवीर दरिया राधेश्याम बुडानिया एवं प्रतिष्ठित महानुभाव एवं अभिभावक सहित कार्यक्रम में संस्था सचिव सुभाष चंद्र मोगा मोहर सिंह मोगा, महावीर सिंह, विकास कुमार, विजेंद्र सिंह, रोहिताश कुमार, मूलचंद, नदीम खान, पंकज, नरेश कुमार, महेश कुमार, तयूब अली, रामावतार, महिपाल सिंह, अशोक कालेर, अशोक पूनिया, दीनदयाल, मुकेश, शशिकांत, अमित, अजय, विजेंद्र, प्रदीप, ओमवीर, सुभाष चंद्र, नरेंद्र सिंह, , हेमलता, अनीता, निशा, ज्योति, मनोज, सुमित्रा, निर्मला, पंकज, सुनीता, संदीप जांगिड़, अजय, आयुष, शैलेश, धर्मेंद्र ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। शंकर सिंह व्याख्याता ने मंच संचालन किया।

श्री जानकी वल्लभ मंदिर मे आयोजित चार दिवसीय धार्मिक आयोजन

चौथे दिन शोभायात्रा के साथ नगर भ्रमण व मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में लक्ष्मणगढ़ में उमड़ी आस्था

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री जानकी वल्लभ मंदिर में आयोजित चार दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के चतुर्थ एवं अंतिम दिन भजनों पर थिरकते श्रद्धालु, डीजे की धुनों पर उमंग और पुष्पवर्षा के बीच भगवान राघवेंद्र एवं माता जानकी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर पक्की प्याऊ, कबूतरीय कुआं, खादू की कुई, घंटाघर, मुख्य बस स्टैंड, चौपड़ बाजार होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। डीजे, घोड़े, रथ, नाचती-गाती महिलाएं, भजन-कीर्तन करते पुरुष और साधु-संतों के सानिध्य में पूरा नगर भक्तिरस में सराबोर हो उठा। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा, आरती और प्रसाद वितरण हुआ। फ्रूटी, जूस, पानी सहित अनेक सेवाओं से नगरवासियों ने अतिथि- सत्कार की अनुपम मिसाल पेश की। भगवान के स्वागत में श्रद्धालु भक्तों ने पलक-पांवड़े बिछा दिए। नगर भ्रमण के बाद मंदिर में दोपहर 12:15 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान जानकी वल्लभ जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, हवन की पूर्णाहुति, भव्य आरती और संतों का आशीर्वचन हुआ। संतों ने अपने उद्बोधनों में सभी से प्रतिदिन तिलक धारण करने, आध्यात्मिक शक्ति को पहचानने का आव्हान किया इस अवसर पर संत-महात्माओं का तिलक, शॉल, श्रीफल एवं भेंट देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर महाप्रसादी महाभंडारे का आयोजन हुआ ।महोत्सव की सफल आयोजन में तन-मन से सेवा देने वाले लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट लक्ष्मणगढ़ के संरक्षक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का महंत मधुसूदनाचार्य एवं विष्णुकांत शास्त्री ने दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान एवं आशीर्वाद दिया गया। आयोजित आध्यात्मिक दिव्य मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शिवमठ धाम गाडोदा के पीठाधीश्वर महावीर जति महाराज,मिरण धाम आश्रम के पीठाधीश्वर मुक्तिनाथ महाराज , लक्ष्मणगढ़ दानव दलन वीर हनुमान मंदिर के महावीर दास ,पालवास आश्रम के विक्रम नाथ महाराज, लोहार्गल धाम के पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज, अश्वनी दास, गनेड़ी के राम प्रपन्नाचार्य महाराज, रामगढ़ से गजांनदाचार्य महाराज, सुतोद से ओमदास महाराज, नेछवा ईश्वर दास महाराज, मंदिर महंत मधुसूदनाचार्य , विष्णु कांत , रवि सुंदरिया, रामकिशोर मंगलहारा, युवा अध्यक्ष उमेश चोटिया, प्रदीप चोटिया, लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट लक्ष्मणगढ़ के प्रभारी राजेंद्र कुमार माटोलिया, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, संरक्षक रामनिवास शर्मा, प्रकाश पासोरिया, दीनदयाल जोशी, सुनील कुमार माली, रमेश छिंछासवाला, शिव प्रसाद सोती, कमल जोशी, रवि नहवाल, संजय बील, संतोष बील, शंभू बील, पुरुषोत्तम बील, गोविंद छिंछासवाले, संदीप खेड़िया, डॉ अर्चना पुरोहित सहित अनेक संत महात्मा जनप्रतिनिधि नगर के अनेक गणमान्य व्यक्ति बड़ी मातृशक्ति उपस्थित रही ।

कांग्रेस संगठन का विस्तार, राजेंद्र कुमार मेघवाल बने बीकानेर जिला कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के जिला महासचिव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में संगठनात्मक विस्तार के तहत महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। इसी क्रम में राजेंद्र कुमार मेघवाल को बीकानेर जिला कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ का जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति एससी प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष ममता भूपेश के निर्देशानुसार की गई, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। नियुक्ति के बाद राजेंद्र कुमार मेघवाल ने पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बीकानेर लोकसभा प्रत्याशी 2024 गोविंद राम मेघवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन्हें अपना राजनीतिक गुरु बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि खाजूवाला से लेकर पूरे बीकानेर जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए वे पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे। राजेंद्र कुमार मेघवाल लंबे समय से कांग्रेस पार्टी के सक्रिय और निष्ठावान कार्यकर्ता रहे हैं। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र से लेकर बीकानेर शहर तक संगठन को मजबूती देने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनकी कार्यशैली की प्रमुख विशेषताओं में संगठन को एकजुट करना, युवाओं को पार्टी से जोड़ना और दलित तथा वंचित वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना शामिल है।नियुक्ति की खबर मिलते ही बीकानेर और खाजूवाला क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। समर्थकों का मानना है कि महासचिव की जिम्मेदारी मिलने से एससी प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा मिलेगी और संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलेगी। राजेंद्र कुमार मेघवाल ने कहा कि उनका लक्ष्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को न्याय दिलाना और कांग्रेस की जनहितैषी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

जन कल्याण युवा संस्थान शाखा पिलानी द्वारा डॉ. करण सिंह यादव सुप्रसिद्ध हृदय शल्य चिकित्सक एवं समर्पित जनप्रतिनिधि के जन्मदिवस पर 8 फरवरी 2026 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभ आरम्भ सुबह 9.00 बजे से बिरला सार्वजनिक हॉस्पिटल पिलानी में दीप प्रज्वलित कर किया जायेगा समापन एवं सम्मान समारोह शाम को 2:00 बजे आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि अजय कुमार आर्य अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट जिला झुंझुनू होंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता मेजर जनरल एस एस नायर (एवीएसएम) निदेशक बिरला शिक्षण संस्थान और विशिष्ट अतिथि डॉ चंद्रशेखर शर्मा, सलाहकार बिट्स पिलानी, फॉर्मर वाइस चांसलर एसीएसआइआर और पूर्व निदेशक सीरी एवं अजय कुमार अग्रवाल उपनिदेशक (प्रशासन एवं विधि) होंगे कार्यक्रम में स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को, समाज हित में कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओ को और मीडिया को भी सम्मानित किया जायेगा युवाओं द्वारा किये गए रक्तदान का संग्रहण बिरला सार्वजनिक अस्पताल के ब्लड बैंक में किया जायेगा

बीडीके अस्पताल में आरसीएच समन्वय समिति की बैठक, पीएमएसएमए के तहत समग्र सेवाएं देने का निर्णय

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजकीय बीडीके अस्पताल झुंझुनूं में आरसीएच समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को समग्र स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने तथा जननी सुरक्षा योजना और लाडो योजना की जन जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में विगत माह की डिलीवरी संख्या, सिजेरियन प्रसव, जटिल प्रसव, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर, नवजात शिशु इकाई में भर्ती दर और जन्मजात विकृतियों सहित विभिन्न बिंदुओं का विस्तृत विश्लेषण किया गया। पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि बीडीके अस्पताल जिले में जटिल एवं सिजेरियन प्रसव का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। अप्रैल माह से अब तक 4000 से अधिक प्रसव कराए जा चुके हैं, जिनमें 1500 से ज्यादा जटिल और सिजेरियन प्रसव शामिल हैं। अस्पताल में लेबर रूम, ऑपरेशन सुविधा, ब्लड बैंक और नवजात शिशु इकाई की उपलब्धता के कारण

एक ही स्थान पर समग्र चिकित्सा सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि अब जनाना विंग में ही गर्भवती महिलाओं के लिए सीबीसी सहित अन्य जांच सुविधाएं शुरू कर दी गई हैं, जिससे मरीजों को अतिरिक्त परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। आरसीएचओ डॉ. डीएन सिंह ने बताया कि जिले में सर्वाधिक संस्थागत प्रसव बीडीके अस्पताल में हो रहे हैं और जेएसवाई व लाडो योजना का लाभ भी यहीं सर्वाधिक दिया जा रहा है। दस्तावेजों की कमी के कारण योजना से वंचित महिलाओं के लिए ब्लॉकवार कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसकी प्रत्येक शुक्रवार को मॉनिटरिंग की जाएगी।

जन्मजात विकृति की पहचान और उपचार के लिए डीईआईसी प्रबंधक प्रदीप और नर्सिंग अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन संयुक्त जांच कर पंजीयन, परामर्श, उपचार और आवश्यकतानुसार रेफर किया जाएगा। अस्पताल में पीएमएसएमए के अंतर्गत एएनएम एवं बीएससी नर्सिंग विद्यार्थियों का आमुखीकरण भी किया जाएगा। साथ ही उपजिला अस्पतालों और सीएचसी के महिला विशेषज्ञ व निश्चेतना विशेषज्ञों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि नजदीकी केंद्रों पर भी बेहतर सेवाएं मिल सकें। अप्रैल से जनवरी तक जिले में कुल संस्थागत प्रसव 9923 रहें, बीडीके अस्पताल में कुल प्रसव 4199 हुए, सिजेरियन प्रसव 1316, जटिल प्रसव 1741, जिलेभर से नवजात शिशु इकाई में भर्ती गंभीर नवजात 1532 हुई। पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि शिशु मृत्यु दर की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। साथ ही लाडो एवं जेएसवाई योजना के लाभार्थियों की प्रतिदिन समीक्षा की जाएगी और प्रसव के बाद डिस्चार्ज के समय जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए भी जागरूक किया जाएगा। बैठक में आरएमओ डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, प्रसूति रोग प्रभारी डॉ. प्रियंका शेखसरियां, डॉ. आकांक्षा सैनी, डॉ. सोनिया सैनी, डॉ. श्वेता, डॉ. सुशीला, डॉ. संजय खीचड़, डॉ. सुरेश मील, डॉ. नेमीचंद, डॉ. रविकांत, डॉ. नावेद सहित चिकित्सक एवं नर्सिंग अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु रविदास जयंती कार्यक्रम में शामिल होने जालंधर रवाना हुआ महेंद्रगढ़ से जथा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महेंद्रगढ़।

राष्ट्रीय बौद्ध महासभा द्वारा 8 फरवरी 2026 को जालंधर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर भवन में आयोजित गुरु रविदास जयंती कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जिला महेंद्रगढ़ से एक जथा रवाना हुआ। जथे का नेतृत्व राष्ट्रीय बौद्ध महासभा हरियाणा के अध्यक्ष शेरसिंह ने किया। अध्यक्ष शेरसिंह ने बताया कि हिंदी भाषा क्षेत्र में गुरु रविदास के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से भी जथे शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नौजवानों को जीवन का सही उद्देश्य बताना, युवाओं में बढ़ते भटकाव को रोकना तथा शिक्षा के महत्व का प्रचार-प्रसार करना है। उन्होंने कहा कि समाज में कोई भी कार्य छोटा नहीं होता और युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ शिक्षा को अपनाकर समाज निर्माण में योगदान देना चाहिए। ऐसे

कार्यक्रम समाज में जागरूकता बढ़ाने और नई पीढ़ी को सही दिशा देने का माध्यम बनते हैं। इस अवसर पर पूनम सिंह, हुक्म चंद थानेदार, कर्षण कुमार, डॉ. संतलाल, रमेश ग्रोवर, नंबरदार सेदूराम, कामरेड सुभाष चंद्र, एडवोकेट सहित अन्य सदस्य जथे में शामिल रहें।

टोहाना के प्रतिष्ठित स्कूल ग्रीन वैली के छात्रों ने 'कला स्पंदन' में किया अपनी कला का शानदार प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । स्थानीय रतिया रोड पर स्थित ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल टोहाना में छात्रों के लिए आर्ट एग्जीबिशन का आयोजन किया गया इस प्रदर्शनी में छात्रों ने चेयरमैन गौरव भुटानी , श्रीमती पारुल भुटानी व प्रधानाचार्या महिमा तनेजा से रिबन कटवाकर और छात्रों ने सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया छात्रों ने चित्रावली में (फोक पेंटिंग, वरली आर्ट, मधुबनी आर्ट, मंडेला आर्ट, इम्बोज़ पेंटिंग व सैंटसिल पेंटिंग) क्ले क्राफ्ट में (मिट्टी व क्ले से विभिन्न प्रकार की आकृतियाँ और पत्थरों को पेंट करके पेपर वेट) शैल एक्टिविटी में (हैंगिंग, गणेशा व फ्लावर) पुनः निर्माण में (आउट ऑफ वेस्ट से बैल, पोस्टबॉक्स, रोबोट व फाउंडेशन जैसे वर्किंग मॉडल) मूंगफली के छिलकों से वाल हैंगिंग, कोकोनेट शैल से फाउंटेन, आइसक्रीम स्टिक से पेन स्टैंड व फूलदान जैसी कलाकृतियाँ बनाकर अपनी कृतियों की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन गौरव भुटानी व प्रधानाचार्या महिमा तनेजा ने छात्रों की कलाकृतियों की सराहना की तथा उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पढाई के साथ-साथ छात्रों को अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए, इसी से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है कला ही जीवन है और कला के बिना मनुष्य का सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता

माता रमाबाई और ललई सिंह यादव के जीवन से मिलती है प्रेरणा- रमेश ठेकेदार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट रेवाड़ी के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार की अगुवाई में शनिवार को उनके कार्यालय में माता रमाबाई की जयंती एवं समाजवादी चिंतक ललई सिंह यादव की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने कहा कि माता रमाबाई सामाजिक न्याय, नारी सशक्तिकरण और दलित उत्थान की सशक्त प्रतीक थीं। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के साथ मिलकर अपना संपूर्ण जीवन शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए समर्पित कर दिया। समाज हित में उनके द्वारा दिया गया योगदान अतुलनीय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। वहीं रमेश ठेकेदार ने कहा कि ललई सिंह यादव समाजवादी विचारधारा के प्रखर चिंतक थे, जिन्होंने आजीवन सामाजिक समानता, धर्मनिरपेक्षता और संविधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। ललई सिंह यादव ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया और समाज में फैली जातिगत असमानताओं के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों के जीवन से हमें संघर्ष, साहस और समाज के लिए निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा मिलती है। कांग्रेस कार्यकर्ता उनके दिखाए मार्ग पर चलकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को और मजबूत करेंगे। इस अवसर पर सेवा स्तंभ के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष भगत सिंह सांभरिया, धर्मबीर हासावास, डॉ. मामराज, रामनिवास ठेकेदार, रमेश बावलिया, पवन धामलाका, राजेंद्र हासावास, विनोद कुमार, राकेश धामलाका, रामू निषाद, संदीप स्वामी, खुशीराम, विनोद कुमार सैनी, अरुण यादव, मिथलेश, गौरीशंकर,, सचिन, सुदेश, सतपाल आदि मौजूद रहे।

हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम के बैनर का हुआ विमोचन

(मुख्य बाजार स्थित गणेश मंदिर में प्रसाद लगाकर किया आगाज)

(21 फरवरी को होगी प्रसिद्ध गायक प्रकाश माली के देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

आगामी हिंदू सम्मेलन के बैनर का विमोचन कार्यक्रम मुख्य बाजार स्थित गणेश मंदिर में संपन्न हुआ । इस मौके पर संयोजक रामकुमार सिंह राठौड़ और सह संयोजक राम मोहन सेकसरिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करवाते हुए बताया कि 18 फरवरी को शाम 4 बजे घेर का मंदिर से पराक्रम वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सर्व हिन्दू समाज के युवा और बड़े बुजुर्ग शामिल हो सकेंगे, 20 फरवरी को शाम 4 बजे मातृ शक्ति शौर्य वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में बहिनें और महिलाएं दुपहिया वाहन से रैली के रूप में रामदेवरा चौक तक जाएगी। 21 फरवरी को भव्य कलश यात्रा गणेश मंदिर मुख्य बाजार से प्रारंभ होकर सम्मेलन स्थल रामदेवरा चौक तक जाएगी। 21 फरवरी को ही भजन सम्राट प्रकाश माली द्वारा देश भक्ति गीतों की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही सनातन संस्कृति का पोषण करने वाले और नगर में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान भी

किया जाएगा। नगर कार्यवाह कमल किशोर पंवार ने बताया कि पूरे देश भर में हो रहे हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला में इस प्रकार का भव्य आयोजन नवलगढ़ में होने जा रहा है ,जिसमें पहली बार भगवा साफे में मातृ शक्ति की विशाल शोभा यात्रा निकलेगी।जिसके लिए लगातार बैठकों ने माध्यम से कार्यकर्ताओं और युवाओं को जिम्मेदारियों दी गई है। प्रमुख कपड़ा व्यवसायी शिवरतन मुरारका ने नगरवासियों से आह्वाहन करते हुए कहा है कि नगर के सभी वार्डों और मोहल्लों से लोगों को समरसता का भाव लेकर सनातनी के रूप में देशभक्ति के इस कार्यक्रम में शामिल होना है। इस मौके पर खंड प्रचारक अभिषेक कुमार संयोजक रामकुमार सिंह राठौड़, नगर कार्यवाहक कमल किशोर पवार, भाजपा जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा, पवन शर्मा, चंडी प्रसाद शर्मा, केतन शर्मा ,यश मिश्रा ,पंकज सैनी , मुरारीलाल सुंदरियां सहित कई गणमान्य लोग एवं मातृशक्ति उपस्थिति रहीं।

अखिल भारत हिन्दू महासभा: तनीशा सैनी सनातनी बनीं हिन्दू किन्नर सभा की राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

सनातन शक्ति को संगठनात्मक रूप से सशक्त करने और समाज के हर वर्ग को साथ जोड़ने के संकल्प के साथ अखिल भारत हिन्दू महासभा ने बड़ी घोषणा की है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज एवं राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष पवन कुमार पुनिया के निर्देशानुसार, झुंझुनूं की तनीशा सैनी सनातनी को हिन्दू किन्नर सभा राजस्थान का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेशाध्यक्ष पवन कुमार पूनिया, प्रदेश महामंत्री भागीरथ सिंह पिलानियां और कोर कमेटी अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र शर्मा झेरलीवाला की अनुशंसा पर की गई है। महासभा का मानना है कि सनातन धर्म के उत्थान में किन्नर समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और तनीशा सैनी की धर्म के प्रति निष्ठा संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगी।मनोनयन के बाद तनीशा सैनी सनातनी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता किन्नर वर्ग को मुख्यधारा के संगठन से जोड़कर आगे बढ़ाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि जब किन्नर समाज कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा, तो सनातन धर्म और अधिक शक्तिशाली होगा। इस घोषणा के बाद तनीशा के अखाड़े और किन्नर समाज में भारी उत्साह है। बधाई देने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन कुमार सुरा, जिला अध्यक्ष सुनील कुमार पुनिया, कार्यकारी जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र योगी, मनोज बराला, कुलदीप सिंह शेखावत, श्रीकांत यादव, अनिल कौशिक, शिव कुमार काकोडा, अशोक प्रजापति, राजू शर्मा और सीताराम योगी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहें।

चीन बॉर्डर पर शहीद हुए सलीम खान, पैतृक गांव मायण में सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । रेवाड़ी के गांव मायण निवासी 42 वर्षीय सलीम खान पुत्र सुभान खान चीन बॉर्डर पर ड्रोन सर्च ऑपरेशन के दौरान शहीद हो गए। शनिवार को जब उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो शहीद के सम्मान में पूरा गांव उमड़ पड़ा। सैन्य व राजकीय सम्मान के साथ उन्हें दफन किया गया। आर्मी की टुकड़ी ने सलामी देकर शहीद को अंतिम विदाई दी। मामड़िया बस स्टैंड से युवाओं ने बाइक पर तिरंगा लगाकर भारत माता के जयकारों के साथ शहीद के पार्थिव शरीर को गांव तक पहुंचाया। जैसे ही शहीद का शव घर पहुंचा, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों सहित उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं और माहौल गमगीन हो उठा। शहीद के पिता सुभान खान ने बताया कि सलीम खान भारतीय सेना की 22 राजपुताना राइफल्स बटालियन में तैनात थे। वर्तमान में वे गलवान घाटी क्षेत्र में लगभग 120 किलोमीटर चीन बॉर्डर पर ड्यूटी कर रहे थे। सलीम खान वर्ष 2003 में सेना में भर्ती हुए थे और जनवरी माह में दो महीने की छुट्टी काटकर ही ड्यूटी पर लौटे थे। शहादत से एक दिन पहले शाम को उन्होंने अपनी मां सकीना से फोन पर बात कर परिवार का हालचाल जाना था। शुक्रवार सुबह वीरगति को प्राप्त होने की सूचना मिली। शहीद के पार्थिव शरीर के साथ आए मेजर धीरज पांडे ने बताया कि गलवान घाटी क्षेत्र में ड्रोन सर्च ऑपरेशन के दौरान सलीम खान शहीद हो गए। इस दौरान उनके साथ 5 सूबेदार व 20 जवानों की टुकड़ी मौजूद थी, जिन्होंने उन्हें सलामी दी। आर्मी टुकड़ी में सूबेदार जयप्रकाश, सूबेदार क्लर्क अशोक, नायब सूबेदार प्रवीण और भवानी सिंह शामिल रहे। शहीद सलीम खान अपने पीछे 13 वर्षीय पुत्र और 8 वर्षीय पुत्री को छोड़ गए हैं। उनकी पत्नी और बच्चे दिल्ली में रहते हैं। बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था, जिसे देख हर किसी की आंखें भर आईं।

इस दौरान एसडीएम लक्ष्मी नारायण बलवाड़ी, कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट रेवाड़ी जिलाध्यक्ष रमेश ठेकेदार, पूर्व जिला पार्षद आजाद सिंह नांधा, भाजपा जिला सचिव दिनेश यादव, बीडीपीओ कार्यालय से एसईपीओ हरीश कुमार, खोल थाना पुलिस स्टाफ, गिरदावर नरेंद्र सिंह, पटवारी ज्ञान सिंह, सरपंच भूपेंद्र, जीवन राम गर्ग, मनोज चौहान, प्रेमपाल सिंह अनपढ़, पूर्व सरपंच महेंद्र रंगा, राजेंद्र गहलोत सहित सैकड़ों लोगों ने शहीद सलीम खान को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं जिला प्रशासन की ओर से स्थानीय नायब तहसीलदार हरिकृष्ण और सैनिक बोर्ड की ओर से उमेश कुमार ने मौके पर पहुंचकर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि हवलदार सलीम खान की शहादत पर हमें गर्व है। उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आज हम शहीदों की बदौलत ही चैन से जी रहे हैं।

मंड्रेला के अधिवक्ता ईशान मिश्रा को राजस्थान हाईकोर्ट में मिली बड़ी जिम्मेदारी

विधिक सेवा प्राधिकरण ने जयपुर पीठ के लिए पैनल अधिवक्ता नियुक्त किया, क्षेत्र में हर्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़. मंड्रेला/जयपुर।

राजस्थान हाईकोर्ट में गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद पक्षकारों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RSLSA) ने वर्ष 2026 के लिए पैनल अधिवक्ताओं की घोषणा की है। इस महत्वपूर्ण सूची में मंड्रेला निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता ईशान मिश्रा का चयन हुआ है, जिससे क्षेत्र के विधिक जगत में खुशी की लहर है। प्राधिकरण द्वारा जारी आदेशानुसार, इस वर्ष कुल 118 पैनल अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई है। इनमें जोधपुर मुख्य पीठ के लिए 60 तथा जयपुर पीठ के लिए 58 अधिवक्ताओं को शामिल किया गया है। यह नियुक्तियाँ राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण विनियम, 1999 के अंतर्गत योग्यता और अनुभव के आधार पर की गई हैं। चयनित अधिवक्ताओं का कार्यकाल प्रारंभिक रूप से एक वर्ष रहेगा, जिसे संतोषजनक कार्य के आधार पर तीन वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा। गौरतलब है कि अधिवक्ता ईशान मिश्रा के लिए यह हफ्ता उपलब्धियों भरा रहा है। इससे पूर्व शुक्रवार को ही भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय ने उन्हें झुंझुनूं जिले के लिए एडिशनल स्टैंडिंग गवर्नमेंट काउंसिल नियुक्त किया था। अब हाईकोर्ट पैनल में चयन के बाद उन पर विधिक सहायता की दोहरी जिम्मेदारी आ गई है। 'विधिक सहायता का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाना है। मैं पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ जरूरतमंदों को प्रभावी कानूनी मदद दिलाने का प्रयास करूँगा।' ईशान मिश्रा के चयन पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और साथी अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर बैठक का हुआ आयोजन

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी कविता रानी के निर्देशन में हुई कार्यशाला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा । महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी कविता रानी के निर्देशानुसार जिले में 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ लोगों को खुलकर खड़ा किया जा रहा है। दिनांक 7 फरवरी 2026 को भाट बस्ती स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर बाल विवाह के खिलाफ है जागरूकता कार्यक्रम रखा गया जिसकी अध्यक्षता सुपरवाइजर पूजा जांगड़ा द्वारा की गई। सुपरवाइजर द्वारा वहां उपस्थित लोगों को बताया कि यह एक सरकारी कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि जन आंदोलन का रूप है जिसमें सभी को अपना सहयोग देना है। 18 साल से कम उम्र की लड़की की तथा 21 साल से कम उम्र के लड़के की शादी बाल विवाह होती हैं। इस सामाजिक कुर्ती के बहुत से दुष्परिणाम होते हैं जिसमें बच्चों के शारीरिक मानसिक और सामाजिक विकास में बाधा सबसे ऊपर है है। कम उम्र में शादी से बच्चे अपने शिक्षा के अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि बाल विवाह करने और कराने वाले दोनों ही सजा और जुर्माने के दायरे में होते हैं इसमें एक लाख तक का जुर्माना तथा 2 साल तक की कड़ी कैद भी हो सकती है। कोई व्यक्ति जो इस विवाह में शामिल हो या फिर इसको छुपाता है वह भी इस कानून के दायरे में आता है। किसी भी विवाह से पहले दूल्हा और दुल्हन की आयु संबंधित जो दस्तावेज हैं उनकी जांच अनिवार्य रहेगी। सुपरवाइजर पूजा जांगड़ा द्वारा वहां उपस्थित लोगों को से अपील की गई कि वह बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाएं तथा पूरी तरह से बाल विवाह मुक्त भारत बनाने में सहयोग करें ।सरकार द्वारा चलाए जा रहे 100दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान तभी सफल हो सकता है जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे। उन्होंने यह भी अपील की की इस अपराध की जानकारी समय रहते दी जाए ताकि प्रशासन द्वारा उचित कार्यवाही की जा सके।

कानून में दूसरी बार नेट परीक्षा क्लियर से एडवोकेट अंकित भालोठिया ललौदा ने बढ़ाया टोहाना वासियों का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत रंगा । टोहाना बार एसोसिएशन के सहसचिव एडवोकेट अंकित भालोठिया ललौदा ने लगातार दूसरी बार नेट परीक्षा क्लियर कर अपने अकेडमिक रिकॉर्ड में तो तरक्की की है साथ ही टोहाना वासीयों का गौरव भी बढ़ाया है। विदित रहे एडवोकेट अंकित भालोठिया टोहाना व फतेहाबाद अदालत में वकील हैं तथा बार एसोसिएशन टोहाना के सत्र2025-26के सह सचिव भी है। एडवोकेट अंकित भालोठिया ने प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली से विधि स्नातक (एल एल बी)व वहीं से कानून में मास्टर डिग्री (एल एल एम) की डिग्री हासिल की तथा वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएचडी (कानून में डाक्ट्रेट)के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। किसान पृष्ठभूमि से आए एडवोकेट अंकित भालोठिया टोहाना के नजदीकी गांव ललौदा के निवासी हैं तथा फिलहाल टोहाना के वार्ड नंबर 12में अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। उनकी इस कामयाबी पर उनके सभी दोस्तों व सहपाठीयों ने दूसरी बार नेट परीक्षा क्लियर करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कारिया की अस्मिता सैनी पुत्री प्रदीप सैनी का वनस्पति विज्ञान में असिस्टेंट प्रोफेसर में चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र के गांव कारिया की अस्मिता सैनी पुत्री प्रदीप सैनी का वनस्पति विज्ञान में असिस्टेंट प्रोफेसर में चयन हुआ है। प्रदेश में तीसरी रैंक हासिल की है। असिस्टेंट प्रोफेसर के दादा हरिराम सैनी ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में पीएचडी आईएचबीटी सीएसआईआर कर रही थी। वह शुरू से मेधावी रही है, उसे अब कनीना कॉलेज में नियुक्ति मिली है। अस्मिता ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपनी माता, पिता, दादी, दादा समेत गुरुजनों को दिया है।

फतेहाबाद जिला व उपमंडल स्तर पर 14 मार्च को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा आगामी 14 मार्च को जिला व उपमंडल स्तर पर इस वर्ष की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए प्रत्येक कार्यदिवस स्पेशल प्री-लोक अदालत भी लगाई जा रही है। सीजेएम ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अदालत में लंबित मुकदमे रखकर उनका फैसला करवा सकता है। लोक अदालत में फैसला होने पर मुकदमे की अपील नहीं की जाती। इससे आपसी भाईचारे की भावना को बल मिलता है और समय व धन की भी बचत होती है। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, हरियाणा विधिक सेवाएं प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 1800-180-2057, हेल्पलाइन नंबर 0172-2562309 अथवा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण कार्यालय के दूरभाष नंबर 01667-231174 पर संपर्क कर सकते हैं।

विष्णु कुदाल बने प्रदेश महामंत्री

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

दाधीच समाज सेवा समिति युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विष्णु कुदाल को सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश शर्मा ने महासभा का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया है। कुदाल की कार्यकुशलता एवं समाज विकास भाव के लिए की गई नियुक्ति के लिए समिति के पदाधिकारियों एवं शुभचिंततकों ने बधाई।

संक्षिप्त समाचार

सैकड़ों स्कूल खोलने वाली भारतीय शिक्षिका को नौ करोड़ का पुरस्कार

दुबई , एजेंसी। सैकड़ों स्कूल खोलने वाली भारतीय शिक्षिका रूबल नागी को नौ करोड़ रुपये का वैश्विक पुरस्कार दिया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता नागी को बृहस्पतिवार को संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह एक सालाना आयोजन है, जिसमें दुनिया भर के नेता इकट्ठा होते हैं। रूबल ने कहा कि वह इस राशि से नि:शुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करेंगी। रूबल के आर्ट फाउंडेशन ने भारत भर में 800 से अधिक शिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं।

जापान चुनाव से पहले ट्रंप का पीएम ताकाइची को समर्थन

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची को रविवार को होने वाले संसदीय चुनाव से पहले पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। ट्रंप ने यह भी बताया कि दोनों नेता 19 मार्च को व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री ताकाइची और उनका गठबंधन जिस तरह काम कर रहा है, वह मजबूत जनसमर्थन के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में उन्हें ताकाइची और उनके सम्मानित गठबंधन का पूरी तरह समर्थन देने पर गर्व है। विशेषज्ञ ट्रंप के समर्थन को चुनाव से पहले एक अहम राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

सिंगापुर में सैन्य विमान आपूर्ति समारोह में आ सकते हैं पीएम मोदी

सिंगापुर , एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी के टाटा-एयरबस की वडोदरा असेंबली लाइन से रक्षा मंत्रालय को सैन्य विमान की आपूर्ति करने के मौके पर वह कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। आपूर्ति वर्ष की दूसरी छमाही में की जा सकती है। एयरबस अध्यक्ष और कार्यकारी समिति के सदस्य वाउटर वान वर्श ने कहा, सैन्य परिवहन विमान 'सी-295' टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमि. व एयरबस के साझा उद्यम वडोदरा असेंबली लाइन से निकला पहला 'मेड इन इंडिया' उत्पाद होगा। 'सी-295' के विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले 70% घटक भारत से लिए गए हैं जबकि 30% आयातित हैं। इनमें कनेक्टिकट मुख्यालय वाली प्रैट एंड व्हिटनी का इंजन लगा है। वडोदरा संयंत्र से रक्षा मंत्रालय के साथ हुए अनुबंध के तहत बनने वाले 56 विमानों में से 40 विमान भारतीय वायुसेना को सौंपे जाने की उम्मीद है। 16 विमान स्पेन स्थित इकाई से मिल चुके हैं।

पेनसिल्वेनिया के अस्पताल में आग

हैरिसबर्ग, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी पेनसिल्वेनिया के लीहाई वैली अस्पताल में रात के समय आग लग गई, जिससे 70 से अधिक मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग पुराने भवन की छत पर लगी थी, मुख्य अस्पताल भवन सुरक्षित रहा। अस्पताल कर्मचारियों और पुलिस की मदद से सभी मरीजों को एम्बुलेंस में दूसरे अस्पतालों में भेजा गया। 5 मरीजों की हालत सामान्य, 1 की गंभीर और 3 की स्थिति ठीक बताई गई। आग से किसी को चोट नहीं आई। राज्य पुलिस और आपातकालीन टीमों ने तुरंत मदद पहुंचाई। गवर्नर जोश शापिरो ने सभी फायरफाइटर और इमरजेंसी टीम का धन्यवाद किया और मरीजों व उनके परिवारों के लिए प्रार्थना की।

कनेक्टिकट में मालगाड़ी पटरी से उतरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक मालगाड़ी बुधवार सुबह विलिमैंटिक नदी के पास पटरी से उतर गई। ट्रेन के 14 में से 6 डिब्बे गिर गए, जिनमें 4 डिब्बे पानी में चले गए। कुछ डिब्बों में लिक्विड प्रोपेन था। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय अधिकारियों ने पास के लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह दी, लेकिन कोई निकासी नहीं की गई। स्कूलों के लिए बस मार्ग बदले गए। फायर विभाग और हजमैट टीम ने नदी में सुरक्षा के लिए बूम लगाया। अधिकारी कह रहे हैं कि दुर्घटना की जांच जारी है और रिकवरी में कई दिन लग सकते हैं।

कांगो में राष्ट्रपति चुनाव

किंशासा, एजेंसी। राष्ट्रपति डेनिस सासु-एनगेस्सो ने मार्च 15 को होने वाले चुनाव में फिर से भाग लेने की घोषणा की। 82 साल के सासु-एनगेस्सो पहले 1979 में सत्ता में आए थे और अब तक लगभग लगातार शासन कर रहे हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी इस चुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारेगी। उन्हें करीब दर्जन भर छोटे उम्मीदवारों का मुकाबला हो सकता है। 2015 में राष्ट्रपति पद की उम्र और कार्यकाल सीमा हटा दी गई थी, जिससे वे फिर चुनाव लड़ सकते हैं। सासु-एनगेस्सो को लंबे समय से सत्ता में बने रहने वाला अफ्रीका का एक सबसे अनुभवी नेता माना जाता है।

ईरान में अमेरिकी नागरिकों को चेतावनी- तुरंत बाहर निकले

सरकारी मदद पर निर्भर न रहें, खुद इंतजाम करें

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान में रह रहे अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सख्त चेतावनी दी है। अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि देश में सुरक्षा की स्थिति बेहद खराब हो गई है। बढ़ती अशांति, पाबंदियां और यात्रा में रुकावटें लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं।

एम्बेसी ने साफ कहा है कि जल्द से जल्द ईरान छोड़ दें। अपने निकलने का प्लान खुद बनाएं और इसमें अमेरिकी सरकार की मदद पर भरोसा न करें। मौजूदा हालात में आधिकारिक सहायता बेहद सीमित है। ' ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और अशांति के कारण सुरक्षा व्यवस्था सख्त हो गई है। सड़कें बंद हैं, सार्वजनिक परिवहन ठप है, इंटरनेट और मोबाइल-लैंडलाइन सेवाएं बार-बार बाधित हो रही हैं। कई एयरलाइंस ने ईरान आने-जाने वाली उड़ानों को सीमित या रद्द कर दिया है, जिससे बाहर निकलना और भी मुश्किल हो गया है। अमेरिकी चेतावनी में कहा गया है कि अगर तुरंत निकलना संभव न हो तो सुरक्षित जगह पर रहें। वहां खाना, पानी, दवाइयां और जरूरी सामान का स्टॉक रखें। इंटरनेट ब्लैकआउट जारी रहने की संभावना है, इसलिए परिवार और दोस्तों से संपर्क के लिए दूसरे तरीके सोचें।

दूतावास ने दोहरी नागरिकता वाले लोगों के लिए ज्यादा खतरा बताया : अमेरिकी एम्बेसी ने अमेरिका-ईरान की दोहरी नागरिकता रखने वाले लोगों के लिए ज्यादा खतरा बताया है। ईरान दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देता, इसलिए ऐसे लोग ईरानी पासपोर्ट से ही बाहर निकल सकते हैं। अमेरिकी पासपोर्ट दिखाना या अमेरिका से जुड़ाव जाहिर करना ईरानी अधिकारियों के लिए हिरासत में लेने का कारण बन सकता है। ऐसे में पूछताछ, गिरफ्तारी या लंबी हिरासत का खतरा है। जो अमेरिकी नागरिक बिना वैध अमेरिकी पासपोर्ट के हैं, उन्हें ईरान छोड़ने के बाद नजदीकी अमेरिकी दूतावास से पासपोर्ट बनवाने की सलाह दी गई है। लोगों को प्रदर्शनों से दूर रहने और फोन चार्ज रखने की सलाह अमेरिकी सरकार ने साफ किया है कि ईरान में कूटनीतिक और कांसुलर संबंध न होने की वजह से वह अपने नागरिकों की मदद करने की स्थिति में नहीं है। अमेरिका के हितों का प्रतिनिधित्व तेहरान में स्विट्जरलैंड दूतावास करता है। रूटीन कांसुलर सेवाएं बंद हैं और हालात में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे, इसलिए अमेरिकी नागरिकों से खुद ही सुरक्षित निकलने की ठोस योजना बनाने की अपील की गई है। सुरक्षा के लिए कुछ जरूरी सलाह भी दी गई है, जैसे प्रदर्शनों और भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर रहें, फोन हमेशा चार्ज रखें, परिवार से संपर्क बनाए रखें और स्थानीय मीडिया पर नजर रखकर हालात की जानकारी लेते रहें। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु मुद्दे पर आज बातचीत होगी अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता आज (शुक्रवार) ओमान की राजधानी मस्कट में शुरू हो रही है। यह बैठक ओमान के स्थानीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे (भारतीय समय के अनुसार रात 11:30 बजे) से शुरू होगी। यह पिछले करीब नौ महीनों में दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक बैठक है, जो जून 2025 में हुए संघर्ष के बाद से निलंबित थी। हाई-लेवल वार्ता से पहले व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कूटनीति के पक्ष में हैं, लेकिन अगर बातचीत नाकाम होती है तो ताकत का इस्तेमाल करने के लिए भी तैयार हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि ट्रम्प ओमान में होने वाली बातचीत में देखना चाहते हैं कि क्या कोई समझौता हो सकता है। साथ ही उन्होंने ट्रम्प की मांग दोहराई कि ईरान के पास जीरो परमाणु क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर बातचीत से नतीजा नहीं निकला तो राष्ट्रपति के पास कई विकल्प मौजूद हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि ईरान के पास कैरियर स्ट्राइक ग्रुप 3 का प्रमुख जहाज, न्यूक्लियर पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) अभियानों में लगा हुआ है।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी ने हिजाब को मुस्लिम महिलाओं की पहचान बताया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद में घिर गए हैं। 1 फरवरी को वर्ल्ड हिजाब डे के मौके पर उनके ऑफिस की ओर से किए गए एक पोस्ट को लेकर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। आलोचकों का कहना है कि यह पोस्ट ईरान में महिलाओं पर लागू जबरन हिजाब कानूनों और वहां हो रहे दमन को नजरअंदाज करता है।

मेयर के ऑफिस ऑफ इमिग्रेंट अफेयर्स की ओर से साझा किए गए पोस्ट में कहा गया था कि दुनिया भर की उन मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों की आस्था, पहचान और गर्व का जश्न मनाया जा रहा है, जो हिजाब पहनना चुनती हैं। इस पोस्ट की टाइमिंग और भाषा को लेकर आलोचकों ने सवाल उठाए। उनका कहना है कि ईरान में हिजाब पहनने से इनकार करने पर महिलाओं को गिरफ्तार किया जा रहा है, पीटा जा रहा है और कई मामलों में उनकी जान तक चली गई है। ऐसे माहौल में हिजाब को गर्व और उत्सव के प्रतीक के रूप में पेश करना संवेदनहीन है। ईरानी-अमेरिकी पत्रकार और एक्टिविस्ट मसीह अलीनेजाद ने मेयर को सीधे संबोधित करते हुए कहा कि न्यूयॉर्क जैसे शहर में रहते हुए भी उन्हें यह पोस्ट देखकर मानसिक पीड़ा हो रही है। उन्होंने लिखा कि ईरान में महिलाएं हिजाब और उससे जुड़ी इस्लामिक विचारधारा को न मानने पर जेल भेजी जा रही हैं, गोली मारी जा रही हैं, जबकि न्यूयॉर्क में उसी प्रतीक का जश्न मनाया जा रहा है। तुर्किए-अमेरिकी अर्थशास्त्री और राजनीतिक वैज्ञानिक तैमूर कुरान ने कहा कि ईरान, तुर्किए और सऊदी अरब जैसे देशों में लाखों मुसलमान इसे गर्व नहीं बल्कि उत्पीड़न का प्रतीक मानते हैं। तैमूर कुरान ने यह भी कहा कि किसी एक धार्मिक परिधान की आधिकारिक रूप से प्रशंसा करना धार्मिक पक्षपात जैसा लग सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शहर प्रशासन अन्य धर्मों के प्रतीकों के साथ भी ऐसा ही करेगा। उनके मुताबिक, पहचान की राजनीति पहले ही अमेरिका में गहरे विभाजन पैदा कर चुकी है और यह पोस्ट उन तनावों को और बढ़ाती है।

तिब्बत में जोरदार भूकंप के झटके, तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई

ल्हासा, एजेंसी। तिब्बत में रात करीब 2.30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप का केंद्र धरती के 25 किलोमीटर नीचे था, वहीं भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई है। बता दें कि भूकंप का केंद्र जब धरती के ज्यादा नीचे नहीं होता है तो वह ज्यादा खतरनाक होता है। दरअसल उथले भूकंप में की सीस्मिक तरंगें धरती पर कम दूरी तक जाती हैं जिससे की धरती ज्यादा तेज हिलती है। इससे इमारतों को ज्यादा नुकसान होता है। तिब्बती पठार को भूकंप संभावित क्षेत्रों में रखा गया है। यहां टेक्टोनिक प्लेटों में टकराव होता रहता है। तिब्बत और नेपाल एक बड़ी जियोलॉजिकल फाल्ट लाइन पर हैं और इसलिए यहां अकसर भूकंप आया करते हैं। यूरेशियल प्लेट से टकराने की वजह से अकसर धरती हिल जाती है। यह पठार पूर्व से पश्चिम की ओर फैला है। टेक्टोनिक प्लेट्स के उठने की वजह से हिमायल की चोटी तक भूकंप के झटके महसूस होते हैं। दक्षिणी तिब्बत में 1970 के दशक के आखिर में और 1980 के दशक की शुरुआत में सैटेलाइट इमेज का इस्तेमाल करके सात उत्तर-दक्षिण दिशा में फैली दरारें और नॉर्मल फॉल्ट की पहचान की गई थी। माना जाता है कि ये फाल्ट लाइन्स 8 लाख साल पहले बनी थीं। तिब्बत में स्ट्राइक स्लिप फाल्ट्स पर 8 तीव्रता तक का भूकंप आ चुका है। वहीं नॉर्मल फाइल्ट लाइन पर 4 से 7 तीव्रता तक के भूंकप आते हैं। बता दें कि अभी दो दिन पहले ही म्यांमार में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप के झटके कोलकाता तक महसूस किए गए थे। इसका केंद्र येनांगयौंग से लगभग 95 किलोमीटर पश्चिम में था। धरती के नीचे टेक्टॉनिक प्लेटों में हलचल की वजह से ही भूकंप आते हैं। धरती की बाहरी परत कई भागों में बंटी है जो कि धीरे-धीरे घूमती है। जब ये प्लेटें आपस में टकराती हैं तो नीचे की ऊर्जा रिलीज होती है। भारत और म्यांमार के बीच इंडियन प्लेट और यूरेशियनल प्लेट में टकराव होता है और इस वजह से भूकंप आता है।

डिएगो गार्सिया में सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिएगो गार्सिया में अमेरिकी सेना की मौजूदगी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ किया है कि वे इस मिलिट्री बेस की सुरक्षा को कभी खतरे में नहीं पड़ने देंगे। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में कोई समझौता टूटता है या अमेरिकी सेना पर खतरा आता है, तो उनके पास बेस को सैन्य तरीके से सुरक्षित और मजबूत करने का पूरा अधिकार है।

क्या बोले ट्रंप : ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से बात की है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर के बीच में स्थित यह बेस अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। ट्रंप के अनुसार, पिछले एक साल में अमेरिकी सेना के कई ऑपरेशन इन बेस की रणनीतिक स्थिति की वजह से ही सफल रहे हैं।

ट्रंप ने दी चेतावनी : ब्रिटेन और मॉरीशस के बीच हुए लीज समझौते पर ट्रंप ने कहा कि वे ब्रिटिश प्रधानमंत्री की स्थिति को समझते हैं। उनके मुताबिक, स्टार्मर ने जो डील की है, वह उस समय की सबसे अच्छी डील हो सकती थी। लेकिन उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर भविष्य में यह डील टूटती है या बेस पर कोई खतरा आता है, तो वे सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेंगे।

ट्रंप ने वहां अमेरिकी मौजूदगी पर उठने वाले सवालों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, 'यह जान लें कि मैं इतने महत्वपूर्ण बेस पर हमारी मौजूदगी को कभी भी झूठे दावों या पर्यावरण के नाम पर होने वाली बातों से कमजोर नहीं पड़ने दूंगा।'

प्रेस सेक्रेटरी ने भी ट्रंप के बयान को दोहराया : व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने भी इस संदेश को दोहराया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने स्टार्मर से सीधे बात की थी और वे उनकी स्थिति का समर्थन करते हैं। लेविट ने जोर देकर कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका दुनिया में कहीं भी, जिसमें डिएगो गार्सिया भी शामिल है, अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाएगा। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका अपनी संपत्ति की रक्षा करने का अधिकार रखता है।

अमेरिका के लिए क्यों खास है डिएगो गार्सिया : डिएगो गार्सिया अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण विदेशी सैन्य ठिकानों में से एक है। यह मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अमेरिकी सैन्य शक्ति के लिए एक मुख्य केंद्र के रूप में काम करता है। यह द्वीप लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कानूनी और राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र भी रहा है। फिलहाल लेविट ने लीज समझौते या भविष्य के फैसलों के लिए किसी समय सीमा की जानकारी नहीं दी है।

बलूचिस्तान में सेना का ऑपरेशन खत्म, 216 लड़ाके ढेर करने का दावा; 50 से ज्यादा नागरिक-सैनिक हताहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार को जानकारी दी कि अशांत बलूचिस्तान प्रांत में विद्रोहियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में 216 विद्रोही मारे गए हैं। हालांकि, कई दिनों तक चले इस खूनी संघर्ष में 36 आम नागरिकों और सेना के 22 जवानों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। सेना की मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान दावा किया कि 26 जनवरी को शुरू किया गया 'रद-उल-फितना-1' नाम का यह ऑपरेशन अब सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

क्या बोली पाकिस्तानी सेना : सेना ने बताया कि पंजगुर और हरनाई जिले के बाहरी इलाकों में विद्रोहियों के छिपे होने की पक्की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने वहां कार्रवाई शुरू की। सेना ने विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला बोला, जिसमें शुरुआत में 41 विद्रोही मारे गए। बाद में सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई और सफाई अभियान के दौरान कुल 216 विद्रोहियों को मार गिराया गया। सेना का दावा है कि इस कार्रवाई से विद्रोही नेटवर्क के नेतृत्व, उनके कमांड स्ट्रक्चर और काम करने की क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है।

रेलवे हुआ बहाल : इस बीच, पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता मुहम्मद काशिफ ने बताया कि पांच दिनों तक बंद रहने के बाद बलूचिस्तान में रेल सेवा फिर से बहाल कर दी गई है। हमलों के दौरान कई जगहों पर रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा था, जिससे सुरक्षा कारणों से क्वेटा से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई थी। अब मरम्मत के बाद यातायात सामान्य हो रहा है।

असेंबली में पास हुए प्रस्ताव : उधर, पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पास किया। इसमें सरकार से मांग की गई कि वह विद्रोही और उसे मदद देने वालों के खिलाफ एक सख्त और आक्रामक राष्ट्रीय रणनीति अपनाए। गौरतलब है कि ईरान और अफगानिस्तान सीमा से सटा बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा का केंद्र रहा है। यहां बलूच विद्रोही अक्सर 60 अरब डॉलर वाले चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सी-पैक) प्रोजेक्ट्स को निशाना बनाते हैं। मार्च 2025 में भी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 31 लोगों की मौत हुई थी और 300 से ज्यादा यात्री बंधक बनाए गए थे।

एरिजोना में हेलीकॉप्टर शूट ऑपरेशन के दौरान हुआ क्रैश, पायलट और एक पुलिसकर्मी की मौत

एरिजोना , एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां राज्य के पब्लिक सेफ्टी विभाग का एक रेंजर हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। इस हादसे में हेलीकॉप्टर सवार पायलट और एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई है। हादसा फ्लैगस्टाफ क्षेत्र में एक एक्टिव शूट (सक्रिय गोलीबारी) की स्थिति के दौरान हुआ, जब हेलीकॉप्टर क्रू स्थानीय पुलिस की सहायता के लिए जा रहा था। एरिजोना डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के अनुसार, रेंजर हेलीकॉप्टर का क्रू फ्लैगस्टाफ पुलिस डिपार्टमेंट और अन्य एजेंसियों को सपोर्ट करने के लिए भेजा गया था।

टैक्टिकल एयर सपोर्ट दे रहा था हेलीकॉप्टर : हेलीकॉप्टर टैक्टिकल एयर सपोर्ट प्रदान कर रहा था, यानी जमीन पर चल रही गोलीबारी की स्थिति में हवाई निगरानी और सहायता दे रहा था। लेकिन दुर्भाग्य से, ऑपरेशन के दौरान ही हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। विभाग के सार्जेंट कैमरन ली ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'यह बेहद दुखद है कि इस घटना के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें पायलट और हेलीकॉप्टर में मौजूद पुलिसकर्मी/पैरामेडिक दोनों की मौत हो गई।'

क्रैश की शुरू हुई जांच : अभी तक पायलट और पुलिस अधिकारी के नाम जारी नहीं किए गए हैं। परिवारों को सूचना देने और अन्य औपचारिकताओं के बाद ही नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। क्रैश की सटीक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। विभाग ने इसकी जांच के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफ) और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर काम शुरू कर दिया है। जांच पूरी होने के बाद ही क्रैश के कारणों का पता चलेगा। घटनास्थल पर किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की कोई सूचना नहीं है।

एयर रेस्क्यू यूनिट के लिए बड़ा झटका है हादसा : बता दें कि, एयर रेस्क्यू यूनिट (रेंजर यूनिट) को विशेष ट्रेनिंग दी जाती है। यह यूनिट पहाड़ी इलाकों में बचाव कार्य, पानी में रेस्क्यू, हाई-रिस्क सर्च ऑपरेशन और अन्य आपात स्थितियों के लिए तैयार रहती है। ऐसे में यह हादसा विभाग के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि यह यूनिट अक्सर जानलेवा स्थितियों में भी सुरक्षित रूप से काम करती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रम्प आरएक्स नाम की सरकारी वेबसाइट लॉन्च की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ट्रम्प आरएक्स नाम की एक सरकारी वेबसाइट लॉन्च की। ट्रम्प का दावा है कि यह प्लेटफॉर्म अमेरिकियों को सस्ती दवाएं दिलाने में मदद करेगा और इससे हेल्थकेयर खर्च कम होगा। व्हाइट हाउस परिसर में वेबसाइट का अनावरण करते हुए ट्रम्प ने कहा, 'आप बहुत सारा पैसा बचाने वाले हैं। यह पूरे हेल्थकेयर सिस्टम के लिए भी अच्छा है।'

ट्रम्प आरएक्स सीधे दवाएं नहीं बेचती। यह वेबसाइट एक तरह से क्लीयरिंगहाउस की तरह काम करती है, जो यूजर्स को दवा कंपनियों की अपनी वेबसाइटों पर भेजती है, जहां वे दवाएं खरीद सकते हैं। इसके साथ ही रिटेल फार्मेसी में इस्तेमाल के लिए कूपन भी उपलब्ध कराए जाते हैं। लॉन्च के समय प्लेटफॉर्म पर 40 से ज्यादा दवाएं शामिल हैं। इनमें वजन घटाने की चर्चित दवाएं ओजेम्पिक और वेगोवी भी शामिल हैं, जिनकी कीमतों को लेकर अमेरिका में लंबे समय से बहस होती रही है। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका में महंगाई और जीवनयापन की लागत बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनी हुई है। नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनावों से पहले रिपब्लिकन पार्टी के लिए दवाओं, हेल्थकेयर, घर, किराया और ग्रॉसरी की बढ़ती कीमतें एक बड़ी चुनौती मानी जा रही हैं। ट्रम्प ने कहा कि दवाओं पर मिलने वाली छूट फार्मास्युटिकल कंपनियों पर उनके व्यक्तिगत दबाव का नतीजा है। उनका कहना है कि अमेरिकी लंबे समय से दवाओं के लिए जरूरत से ज्यादा कीमत चुका रहे हैं, जबकि दूसरे देशों में वही दवाएं सस्ती मिलती हैं।

ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि अमेरिका में दवाओं की कीमतें कम होने से कंपनियां दूसरे देशों में कीमतें बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा, 'हम दुनिया को सब्सिडी देकर थक चुके हैं।' राष्ट्रपति ने पहली बार सितंबर में ट्रम्पआरएक्स का जिक्र किया था। तब उन्होंने बताया था कि दवा कंपनियों के साथ 15 से ज्यादा समझौते किए गए हैं, जिनका मकसद अमेरिका में दवाओं की कीमतें विकसित देशों में सबसे कम दरों के बराबर लाना है। ट्रम्प आरएक्स का लॉन्च कई बार टल चुका था। पिछले साल सेंटर फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रमुख मेहमत ओज ने कहा था कि वेबसाइट साल के अंत तक शुरू हो जाएगी, लेकिन बाद में जनवरी का प्रस्तावित लॉन्च भी टाल दिया गया।

लॉस एंजेलिस में किराना स्टोर में घुसी कार, 3 की मौत

लॉस एंजेलिस , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार कार सीधे एक किराना स्टोर में जा घुसी। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कम से कम छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह दुर्घटना दोपहर करीब 12 बजे वेस्टवुड इलाके में स्थित 99 रैंच मार्केट में हुई। लॉस एंजेलिस फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, हादसे के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को मौके पर ही प्राथमिक इलाज दिया गया और बाद में अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार चला रही व्यक्ति एक महिला थी, लेकिन यह साफ नहीं हो पाया है कि वह घायल हुई है या उसकी मौत हुई है।

आलिया भट्ट साझा की दिल की बात

आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनके मुताबिक 2022 में मां बनने के बाद उनके अंदर कई बदलाव आए हैं। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत में बताया कि वह अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करना चाहती हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्यों कहा है?

सोशल मीडिया क्यों डिलीट करना चाहती हैं आलिया?

एस्क्वायर इंडिया से बातचीत में आलिया भट्ट ने बताया कि कई बार लगता है कि सोशल मीडिया से दूरी बना ली जाए और सिर्फ अपने काम पर ध्यान दिया जाए। एक अभिनेत्री होने के नाते अभिनय ही असली पहचान है। लगातार ऑनलाइन मौजूद रहने का दबाव कई बार थका देता है। आलिया के मुताबिक कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मन करता है कि सारे सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिए जाएं। एक एक्ट्रेस के तौर पर जिया जाए।

मां बनने के बाद हुए बदलाव

आलिया ने आगे कहा जब अपनी निजी जिंदगी को सबके सामने लाने की बात आती है, तो थोड़ा मुश्किल लगता है। मेरी फोटो एल्बम राहा से भरी हुई है। मुझे अपनी तस्वीरें लेने के लिए सच में बहुत मेहनत करनी पड़ती है। आलिया भट्ट ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद उनमें कई बदलाव हुए हैं।

आलिया भट्ट का परिवार

आपको बता दें कि आलिया भट्ट ने कई वर्षों तक रणबीर कपूर को डेट करने के बाद अप्रैल 2022 में शादी की। उनकी पहली बच्ची राहा का जन्म नवंबर 2022 में हुआ।

आलिया भट्ट का वर्कफ्रंट

आलिया भट्ट जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल अहम भूमिकाओं में होंगे। इसके अलावा वो यशराज फिल्म्स की अल्फा का भी हिस्सा हैं, जिसमें शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी नजर आएंगे।

रकुल प्रीत ने खोली बॉलीवुड में पेड पीआर की पोल

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में चल रहे पेड पीआर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने पीआर कल्चर की भी असलियत के बारे में बात की। रकुल ने उन अभिनेताओं के बारे में भी बात की जो अपने काम की वजह से नहीं बल्कि पर्दे के पीछे होने वाले प्रचार की वजह से चर्चा में रहते हैं।

हम सभी को थोड़ा पीआर करना पड़ता है

जूम टीवी के साथ बातचीत के दौरान रकुल प्रीत सिंह ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पैसे लेकर की जाने वाली पीआर पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि लोग ऐसा क्यों करते हैं। रकुल ने कहा कि हम सभी को थोड़ा-बहुत पीआर करना पड़ता है। हमें अपनी उपस्थिति दर्ज करानी पड़ती है। कुछ लोग तो दूसरों की बुराई करने तक चले जाते हैं। मेरा मतलब है, जीवन में आप कितने नकारात्मक हो सकते हैं? आप खुद से कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? मेरा सबसे बड़ा सवाल यही है। मुझे लगता है कि अच्छे कर्मों का फल अच्छा ही मिलता है। अच्छा कर्म करने से ही फल मिलता है। मैं इसी सोच की हूं। मेरा दिमाग स्वाभाविक रूप से पीआर पर नहीं चलता।

पैपराजी को लेकर की बात

अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें पैपराजी द्वारा तस्वीरें खींचे जाने की चिंता नहीं है। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरी मां कभी-कभी मुझे फोन करके पूछती हैं, 'तुमने क्या पहना है? इस महीने पाँचवीं बार तुम्हारी उसी जींस में तस्वीर खींची गई है।' तो लोग जब भी बाहर जाते हैं तो अच्छा दिखने की कोशिश करते हैं। पैपराजी यहां कैसे आ जाते हैं? कभी आप सजे-धजे होते हैं और कभी नहीं। यह ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खुद पर इतना दबाव मत डालो।

'रामायण' के अलावा इन फिल्मों का हिस्सा हैं रकुल

वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आई थीं। वहीं उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में 'पति पत्नी और वो दो' है, जिसमें आयुष्मान खुराना और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा वह कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 3' में भी हैं। वहीं रकुल नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित मल्टीस्टारर मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का भी हिस्सा हैं। रणबीर कपूर की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में रकुल सूर्पनखा की भूमिका में नजर आएंगी। दो पार्ट में बनने वाली इस फिल्म का पहला पार्ट दिवाली 2026 पर रिलीज होना है।

'धुरंधर द रिवेंज' में हुई यामी गौतम की एंट्री?

'धुरंधर: द रिवेंज' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, लेकिन लोगों ने इसकी काफी आलोचना की, क्योंकि इसमें पहले भाग के क्लाइमेक्स सीन ही ज्यादा दिखाए गए हैं। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार 'धुरंधर' के सीक्वल में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं?

खबर के अनुसार, यामी गौतम 'धुरंधर: द रिवेंज' में एक खास कैमियो रोल में नजर आएंगी। उनका किरदार एक्शन से भरपूर और कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। यामी ने इस रोल के लिए लगभग 5 दिन की शूटिंग की है। हालांकि ये कैमियो है, लेकिन ये इतना खास और सरप्राइजिंग होगा कि दर्शक चौंक जाएंगे। यामी ने 'काबिल', 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक', 'ए थर्सडे', 'आर्टिकल 370', 'बाला' जैसी फिल्मों में दमदार रोल के अलावा हाल ही में 'हक' में भी सराहना बटोरी है। पहली फिल्म 'धुरंधर' 2025 में सुपरहिट रही थी। अब इस सीक्वल में ज्यादा डार्क, एक्शन और प्रतिशोध की कहानी होगी। फोकस रणवीर सिंह के किरदार जसकिरत सिंह रंगी (जो हमजा के नाम से भी जाना जाता है) की असली पहचान और उसके अगले मिशन पर होगा। पहली फिल्म में रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) की मौत के बाद, अब हमजा बड़े साजिशकर्ताओं खासकर 'बड़े साहब' को पकड़ने की कोशिश करेगा। फिल्म में आर. माधवन (इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर अजय सान्याल) की भूमिका और बड़ी होगी। वो हमजा को एडवांस ट्रेनिंग देंगे। कुल मिलाकर, ये सीक्वल पहले से ज्यादा एक्शन और रिवेंज वाली होगी।

विक्की कौशल आएंगे नजर?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल अपनी 2019 की फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' वाले किरदार मेजर विहान सिंह शेरगिल को फिर से निभा सकते हैं। निर्देशक आदित्य धर ने दोनों कहानियों के समय में फर्क होने के बावजूद 'उरी' का एक ट्रैक शामिल किया है। इसमें कुछ एक्शन सीन होंगे, लेकिन ये साफ नहीं है कि विक्की का किरदार रणवीर सिंह के किरदार से मिलेगा या नहीं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में इस अफवाह को खारिज भी किया गया है।

आदिवी शेष की 'डकैत' की बदली रिलीज डेट, 'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' बनी वजह!

19 मार्च 2026 को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त क्लैश देखने को मिलेगी। क्योंकि इस दिन बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्में 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर: द रिवेंज' रिलीज होने वाली हैं। दोनों ही फिल्मों को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। इन्हीं फिल्मों के साथ 19 मार्च को आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की 'डकैत: एक प्रेम कथा' भी रिलीज होनी थी। लेकिन अब 'डकैत' के मेकर्स ने इस क्लैश से बचने के लिए अपनी फिल्म आगे बढ़ा ली है।

अब 10 अप्रैल को होगी रिलीज

'टॉक्सिक' और 'धुरंधर: द रिवेंज' जैसी बड़ी फिल्मों की टक्कर से बचने के लिए 'डकैत' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 मार्च को रिलीज होने वाली 'डकैत' अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फैसले की वजह 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर 2' जैसी फिल्मों की क्लैश से होने वाले नुकसान से बचना है। ताकि 'डकैत' लंबे समय के लिए सिनेमाघरों में बनी रहे और दर्शक जुटाती रहे।

दामिनी वाले अंदाज में लौटे सनी देओल, अक्षय खन्ना से होगा मुकाबला

1997 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर' में एक साथ सनी देओल और अक्षय खन्ना नजर आए थे। अब 29 साल बाद दोनों एक साथ कोर्ट रूम ड्रामा मूवी 'इक्का' में साथ नजर आने वाले हैं। जिसकी खास झलक आज जारी की गई है। जिसे देखने के बाद फैंस बहुत उत्साहित हैं।

ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स ने एक इवेंट में अपने इंडिया प्लान की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठ गया है। इसी के साथ यह भी पता चला है कि सनी देओल ओटीटी पर धाक जमाने आ रहे हैं। उनकी फिल्म 'इक्का' रिलीज होगी। इसमें वे वकील के रूप में नजर आएंगे।

सनी देओल से भिड़ेंगे अक्षय खन्ना

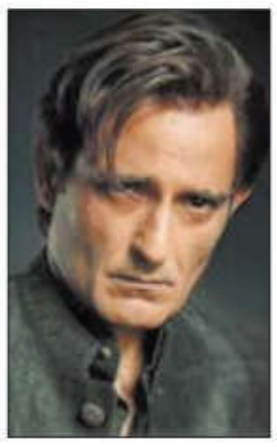

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'इक्का' में अक्षय खन्ना भी नजर आएंगे। फिल्म 'दामिनी' में सनी देओल ने वकील की भूमिका दमदार तरीके से अदा की। उनके डायलॉग आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं। कुछ इसी अंदाज में एक बार फिर उन्हें देखा जा सकेगा। वहीं, 'धुरंधर' में रहमान डकैत की भूमिका से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अक्षय एक बार फिर नेगेटिव रोल में नजर आएंगे।

कंटेंट आधारित और सामाजिक रूप से जागरूक फिल्में करना पसंद है

भूमि पेडनेकर की वेब सिरीज 'दलदल' सिर्फ एक क्राइम-थ्रिलर कहानी नहीं है, बल्कि इसमें बचपन हुए ट्रॉमा पर भी बात की गई है। बातचीत में भूमि ने फिल्म में दिखाए गए वॉयलेंस और उसे दिखाने के उद्देश्य पर चर्चा की। इसके अलावा एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी काफी कुछ साझा किया।

पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर मेल एक्शन और वॉयलेंस ट्रेंड में रहा। ऐसे माहौल में आपकी सीरीज का वॉयलेंस कहां खड़ा होता है?

सीरीज में वॉयलेंस है, लेकिन मैं इसे महिला बनाम पुरुष के नजरिए से नहीं देखती। मेरे लिए वॉयलेंस का कोई जेंडर नहीं होता। असली बात यह है कि कहानी में वॉयलेंस दिखाया क्यों जा रहा है ? यहां वॉयलेंस सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि किरदारों की मनोवैज्ञानिक हालत और उनके भीतर के ट्रॉमा को समझाने के लिए है। जब किसी के अंदर इतनी घुटन हो तो प्रतिक्रिया भी तीखी ही होगी। ऐसे में दलदल का वॉयलेंस मुझे जरूरत के मुताबिक लगता है न कि बनावटी।

क्या पर्सनल लाइफ में कभी कोई दर्दनाक अनुभव हुआ?

जी हां। हम सबकी जिंदगी में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है जो भीतर एक तरह का ट्रॉमा छोड़ जाता है। यह हमेशा बहुत बड़ा नहीं होता। कभी बचपन में कोई बुरा अनुभव हो जाए, कोई बैड टच हो, या स्कूल में किसी ने बुली कर दिया हो। उस समय हम आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन हमारी बॉडी उस अनुभव को याद रखती है। वह याद हमारे शरीर में कहीं न कहीं दर्ज हो जाती है। औरत होने के नाते अगर कभी आपको खतरा महसूस हुआ हो, कोई आपको दूर से घूरता रहा हो, या किसी की मौजूदगी ने आपको असहज कर दिया हो, तो वह भी ट्रॉमा ही है।

कठिन अनुभवों से बाहर आने में आपकी सबसे बड़ी ताकत कौन रहा?

कठिन अनुभवों से बाहर आने में मेरे परिवार ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं कि मेरे पास ऐसा परिवार है। स्कूल के दिनों में भी मेरे साथ कुछ बातें हुईं, लेकिन मैं हमेशा अपने माता पिता के पास जा सकती थी। वे मजबूती से मेरे साथ खड़े रहे। मुझे पता था कि वे बिना जज किए मुझे समझेंगे और संभालेंगे।

आपको अक्सर सामाजिक मुद्दों वाली फिल्मों से जोड़ा जाता है। क्या यह टैग आपको सीमित करता है?

हां, मेरी फिल्मों में अक्सर सामाजिक मुद्दे दिखाई देते रहे हैं और कुछ समय तक मुझे इस बात का डर भी था कि कहीं मुझे सिर्फ सामाजिक विषयों वाली फिल्मों का टैग न मिल जाए। पहले यह सवाल मुझे थोड़ा परेशान कर देता था क्योंकि लगता था कि शायद लोग मुझे एक ही तरह की फिल्मों में देखने लगेंगे। लेकिन आज मैं इस बात पर गर्व महसूस करती हूं। पहले मैं इस टैग से भागती थी पर अब मुझे एहसास है कि यह एक तरह की जिम्मेदारी भी है और मुझे वह जिम्मेदारी निभाने में खुशी होती है मैं ऐसे ही काम करना चाहती हूं। मुझे कंटेंट आधारित और सामाजिक रूप से जागरूक फिल्में करना पसंद है ऐसी कहानियां जिनमें कोई सार्थक बात हो... जो किसी की सोच को बदल सकें या कम से कम प्रभावित कर सकें। अगर मेरा काम किसी की सोच को थोड़ा भी आगे बढ़ा सके तो मेरे लिए यही सबसे बड़ा पुरस्कार है।

किस तरह के किरदार और निभाने की इच्छा है?

मैं एक पीरियड फिल्म करना चाहूंगी। मैंने अब तक कोई पीरियड फिल्म नहीं की और मैं हमेशा से इस जोनर के प्रति बेहद आकर्षित रही हूं। हमारे इतिहास में कई महान औरतें, नेता और नायिकाएं रही हैं जिनके बारे में जानकर लगता है कि उन किरदारों को निभाना कितना प्रेरणादायक होगा। स्वतंत्र भारत या उससे पहले के दौर की किसी मजबूत महिला पर आधारित कहानी में काम करना मुझे बहुत पसंद आएगा।

इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए कौन सा बदलाव देखना चाहेंगी?

मैं हमेशा पे गैप के बारे में बात करती हूं क्योंकि मुझे लगता है कि हमारी इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए पे गैप अब भी बहुत ज्यादा है। खासकर पोस्ट पैंडेमिक इसका असर और भी बढ़ गया है और उसका पूरा बोझ औरतों को ही झेलना पड़ा है।मैं सच में उम्मीद करती हूं कि इसमें कुछ बराबरी आए। साथ ही मुझे लगता है कि महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को थिएटर में जितना स्पेस और अवसर मिलना चाहिए उतना अब नहीं मिल रहा। यह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।यह बदलाव सिर्फ इंडस्ट्री अपने आप नहीं ला सकती इसमें ऑडियंस की भी बड़ी भूमिका है। अगर ऑडियंस ऐसे कंटेंट को सपोर्ट करे तो महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को फिर से वह जगह मिल सकती है जिसकी वे हकदार हैं।

जालंधर मर्डर केस पर गरमाई सियासत, सुखबीर बादल ने पंजाब सरकार पर कसा तंज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। जालंधर में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले ने पंजाब की राजनीति को गरमा दिया है। इस घटना को लेकर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सुखबीर बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि पंजाब में अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुके हैं और हालात इतने खराब हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी के अपने नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि आम आदमी पार्टी के नेता अपनी ही सरकार में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, जो कानून-व्यवस्था की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने जालंधर के मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारा साहिब के बाहर हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबराए की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात न सिर्फ चौंकाने वाली है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं बचा है। सुखबीर बादल के मुताबिक, सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की घटना राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। अकाली दल प्रमुख ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2026 में अब तक पंजाब में करीब 25 हत्याएं हो चुकी हैं, जबकि महीने के पहले सप्ताह में ही 9 हत्याओं के मामले सामने आए थे। उन्होंने कहा कि ये वारदातें किसी एक इलाके तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे राज्य में फैल चुकी हैं। चाहे कोर्ट कॉम्प्लेक्स हो, व्यस्त बाजार, शादी समारोह का स्थल हो या फिर गुरुद्वारा साहिब के बाहर—अपराध हर जगह हो रहे हैं। सुखबीर बादल ने सरकार और पुलिस द्वारा गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार भले ही सख्त कार्रवाई के दावे करे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

भाजपा विधायक को 'लुटेरा' कहने वाले उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पर एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। सरोजनी नगर से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह को 'लुटेरा' कहने के मामले में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर की गई है। यह मामला अजय राय द्वारा एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने विधायक पर देश और प्रदेश को लूटने का आरोप लगाया था। भाजपा नेता शिवशंकर सिंह उर्फ शंकरी की शिकायत पर सरोजनी नगर थाने में यह मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया गया कि 1 फरवरी 2026 को सरोजनी नगर के गौरी-बिजनौर रोड स्थित नटकुर तिराहा पर एक राजनीतिक सभा आयोजित की गई थी। इस सभा को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा था कि विधायक राजेश्वर सिंह देश और प्रदेश को लूटने का काम कर रहे हैं और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में रहते हुए भी लूट-खसोट जारी रही। शिकायतकर्ता के अनुसार, अजय राय का बयान पूरी तरह असत्य, तथ्यहीन और मानहानिकारक है, जिससे विधायक की छवि को नुकसान पहुंचा है। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि भाषण को योजनाबद्ध तरीके से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। भाजपा नेता ने 'रुद्रदमन सिंह' नामक फेसबुक अकाउंट से वीडियो साझा किए जाने का आरोप लगाया है।

बिहार में नीट छात्रा की मौत का मामला : राबड़ी देवी ने पुलिस पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता राबड़ी देवी ने राज्य में नीट छात्रा की मौत के मामले में पुलिस और सरकार पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया है। यह घटना पिछले महीने 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित छात्रावास में हुई थी। जहानाबाद निवासी छात्रा को अचेत अवस्था में पाया गया था और कई दिनों तक कोमा में रहने के बाद 11 जनवरी को उसने निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। बजट सत्र के तीसरे दिन विधानपरिषद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि राज्य में किसी भी जिले में अपराध नहीं हो रहे हैं ऐसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और गृह मंत्री इस मामले में चुप हैं और सभी तथ्यों को छिपाने के बाद इसे सीबीआई को सौंप दिया गया। राबड़ी देवी ने कहा कि सरकार दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है क्योंकि अपराध में शामिल लोग सरकार का हिस्सा हैं। सीबीआई क्या करेगी? यह एजेंसी भी केंद्र सरकार के नियंत्रण में है। इस मामले पर जनता दल यूनाइटेड के विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने राबड़ी देवी की टिप्पणियों को मीडिया में सुर्खियां बटोरने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार अपराधियों को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचाती और इस तरह के आरोप निराधार हैं। परिवार ने अधिकारियों पर मामले को दबाने का आरोप लगाया था। बिहार सरकार ने मामले की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से सिफारिश की थी। फिलहाल विशेष जांच दल इस घटना की जांच कर रहा है। राबड़ी देवी ने विधानसभा में कहा कि इस बजट में बिहार के लोगों के लिए कुछ नहीं है और सरकार केवल जनता को गुमराह कर वोट हासिल करने की कोशिश कर रही है।

रांची के जाने-माने कारोबारी और बिल्डर अनुराग सरावगी ने की आत्महत्या

रांची (एजेंसी)। रांची के जाने-माने बिल्डर और व्यवसायी अनुराग सरावगी ने मेन रोड स्थित ब्लेयर अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से न केवल इलाके में हड़कंप मच गया, बल्कि राजधानी के कारोबारी जगत में भी शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार अनुराग सरावगी गुरुवार रात करीब 11 बजे अपार्टमेंट में अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे कूद गए। ऊंचाई से गिरने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। तेज आवाज सुनकर अपार्टमेंट के सुरक्षाकर्मी और स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर पहुंचे, जहां उनका शव पड़ा मिला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि अनुराग गुरुवार की रात घर पर अकेले थे। उनकी पत्नी और दोनों बच्चे किसी रिश्तेदार के यहां तमिलनाडु गए हैं। अपार्टमेंट में रहने वाले कुछ लोगों ने पुलिस को बताया है कि वह देर रात किसी से मोबाइल पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदपीढ़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी, कोतवाली डीएसपी समेत वरीय पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

सरकारी जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा, एयर इंडिया के 70 फीसदी विमानों में तकनीकी खराबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया के बेड़े को लेकर एक चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। सरकार ने संसद में जानकारी दी है कि एयरलाइन के हर 10 में से 7 विमानों में किसी न किसी तरह की तकनीकी खामी पाई गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एयर इंडिया के लगभग 70 फीसदी विमान तकनीकी रूप से समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जो सभी भारतीय एयरलाइन्स में सबसे अधिक है।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि जनवरी 2025 से 3 फरवरी 2026 तक विभिन्न एयरलाइनों के कुल 377 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने के मामले दर्ज किए गए। सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि एयर इंडिया के जिन 166 विमानों की जांच की गई, उनमें से 137 विमानों में तकनीकी खामियां पाई गईं। इसी समूह की अन्य कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के भी 101 विमानों में से 54 में बार-बार खराबी की बात सामने आई है। जांच के

दायरे में केवल एयर इंडिया ही नहीं, बल्कि अन्य निजी एयरलाइन्स भी रहीं। इंडिगो के 405 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 148 विमानों में तकनीकी समस्याएं मिलीं। वहीं, स्पाइसजेट के 43 विमानों में से 16 और अकासा एअर के 32 विमानों में से 14 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने की पुष्टि हुई है। इस अवधि के दौरान विमानन सुरक्षा नियामक, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए कुल 3,890 निगरानी निरीक्षण किए।

हालांकि, मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले तीन वर्षों में उड़ानों के दौरान तकनीकी खराबी की कुल घटनाओं में धीरे-धीरे कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में खराबी के 448 मामले सामने आए थे, जो 2024 में घटकर 421 रह गए। सरकार का दावा है कि डीजीसीए के पास हवाई अड्डा संचालकों और विमानों की निगरानी के लिए एक व्यवस्थित सुरक्षा तंत्र मौजूद है, जिसके तहत औचक निरीक्षण और नियामक ऑडिट किए जाते हैं। नियमों के उल्लंघन या सुरक्षा मानकों में कोताही पाए जाने पर डीजीसीए द्वारा सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जाती है। एयरलाइन्स के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे किसी भी तकनीकी घटना की रिपोर्ट तुरंत नियामक को दें। ऑडिट के दौरान मिलने वाली कमियों को दूर करने के लिए संबंधित एयरलाइन्स को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए जाते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र, कहा- गोवंश यदि सुरक्षित हैं इसका हो परीक्षण

वाराणसी (एजेंसी)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गोवंश को लेकर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि हाल ही में राज्य के पशुपालन मंत्री ने उनके द्वारा उठाए गए गोकशी के गंभीर मुद्दे को 'भ्रम' और 'असत्य' करार दिया। मंत्री ने दावा किया था कि राज्य में गो-वंश पूर्णतः सुरक्षित है। शंकराचार्य ने पत्र में कहा कि धर्मसत्ता और राजसत्ता के बीच सत्य की स्थापना के लिए आवश्यक है कि दावों का धरातलीय एवं वैज्ञानिक परीक्षण हो। यदि शासन का विश्वास अडिग है कि राज्य में गोहत्या पूर्णतः बंद हो चुकी है, तो पारदर्शिता के लिए ज्योतिषपीठ के प्रतिनिधियों को कुछ बिंदुओं पर अनुमति एवं पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होने मांग की कि निर्यातित मांस का डीएनए परीक्षण कराया जाए। हापुड़, अलीगढ़, मेरठ और उन्नाव जैसे निर्यात केंद्रों से रैंडम सैंपलिंग कर स्वतंत्र जांच की अनुमति दी जाए। चर्म शोधन इकाइयों का निरीक्षण किया जाए। कानपुर एवं अन्य क्षेत्रों में आने वाली खालों के वैज्ञानिक परीक्षण हेतु प्रवेश की अनुमति प्रदान की जाए। परिवहन एवं सीमा निरीक्षण किया जाए। अंतर्राज्यीय सीमाओं और प्रमुख मार्गों पर संदिग्ध वाहनों के आकस्मिक निरीक्षण में प्रशासनिक सहयोग दिया जाए। नगर निकायों एवं निजी वधशालाओं की व्यवस्था की धरातलीय जांच के लिए 'सरप्राइज ऑडिट' का अधिकार प्रदान किया जाए। इसके अलावा गौशाला एवं निस्तारण केंद्रों का ऑडिटरू सरकारी गौशालाओं में मृत्यु के कारणों एवं शवों के निस्तारण की प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराई जाए और अधिकृत प्रयोगशालाओं की सूची जारी की जाए। शंकराचार्य ने कहा कि इन बिंदुओं के तहत संकलित नमूनों की निष्पक्ष जांच के लिये शासन द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की सूची उपलब्ध कराई जाए, जिनकी रिपोर्ट को शासन साक्ष्य के रूप में स्वीकार करता हो। इससे भविष्य में जांच परिणामों पर कोई विवाद नहीं रहेगा।

ज्ञानदीप स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह आयोजित,

मेधावी विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार की घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

बुहाना रोड़ पर स्थित ज्ञानदीप पब्लिक माध्यमिक विद्यालय, पचेरी बड़ी में वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बंशीधर सोनी रहे, जबकि अध्यक्षता प्रधानाचार्य अमर सिंह यादव ने की। विशिष्ट अतिथियों में रामफल शर्मा, यासीन खान, उपसरपंच धर्मपाल चौरा, छबील सिंह राजपूत, राजकुमार यादव, पतासी देवी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात कक्षा 9वीं के

विद्यार्थियों ने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई दी। विद्यार्थियों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मयंक पुत्री राकेश कुमार ने बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की ओर से उन्हें 11 हजार रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय संचालक कृष्ण कुमार टेलर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए घोषणा की कि आगामी बोर्ड परीक्षा में सेंटर टॉपर विद्यार्थी को 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर 11 हज़ार रुपये, 90 प्रतिशत पर 51 सौ रुपये तथा 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 21 सौ रुपये सहित अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घोषणाओं का उद्देश्य विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें उत्कृष्ट परिणाम के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति, सामाजिक संदेश एवं लोकसंस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। समारोह में विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। स्कूल स्टाफ में दिलीप कुमार, राजेश कुमार, सरिता देवी, मिन्नू कुमारी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।इस अवसर पर अभिभावकों में धर्मवीर, लीलाधर शर्मा, गन्नी खां, मुन्ना खान, दिलीप पेंटर, विजेंद्र सिंह तंवर, नेतराम यादव, प्रकाश बंजारा, रमेश बंजारा सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ और अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गोलवलकर से जुड़ी टिप्पणी को लेकर फंसे दिग्विजय, नहीं होगी मानहानि याचिका खारिज

-कोर्ट ने कहा कांग्रेस नेता के खिलाफ दायर मानहानि याचिका में वैध कारण बनता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) और दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर से जुड़ी एक टिप्पणी को लेकर फंसते नजर आ रहे हैं। इस मामले में उनके खिलाफ दायर एक मानहानि याचिका को कोर्ट ने खारिज करने से इनकार कर दिया है। 8 जुलाई 2023 को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिग्विजय सिंह ने दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर की एक तस्वीर साझा करके उसके कैप्शन में लोगों से सवाल पूछा था कि क्या वह दलितों, पिछड़े वर्गों, मुसलमानों और भूमि, जल व जंगल से जुड़े मुद्दों पर गोलवलकर के विचारों से परिचित हैं?

इस पोस्ट को लेकर संघ के स्वयंसेवक शशिकांत चंपानेकर ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ मामला दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे संघ की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। याचिका के दाखिल होने के बाद कोर्ट ने सुनवाई शुरू कर दी है। राज्यसभा सांसद सिंह ने इस याचिका को खारिज करने की अपील करते हुए तर्क दिया कि यह मामला कानूनन विचारणीय नहीं है। इस पर सिविल जज राजेश

बी. खंडारे ने कहा कि दिग्विजय सिंह के खिलाफ दायर मानहानि याचिका में वैध कारण बनता है। इसी वजह से इसे खारिज नहीं किया जा सकता है। दिग्विजय सिंह की ओर से दलील दी गई कि याचिका कर्ता को यह मुकदमा दायर करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि संघ न तो कोई पंजीकृत संस्था है और न ही कानूनी व्यक्ति है। ऐसे में वह मुकदमा दायर नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आखिर कोई व्यक्तिगत सदस्य संघ और गोलवलकर की ओर से हर्जाना कैसे मांग सकता है?

इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि आपराधिक मानहानि कानून के तहत किसी पहचाने जाने योग्य समूह की मानहानि की जा सकती है और उस समूह का कोई आहत सदस्य कानूनी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े गंभीर और विचारणीय मुद्दे हैं, जिनका फैसला केवल साक्ष्य दर्ज होने के बाद ही किया जा सकता है, न कि वाद खारिज करने के चरण पर। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि इस वाद को खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याचिका में कारण बनता है, संघ सदस्य के मुकदमा दायर करने के अधिकार को इस चरण पर कानून द्वारा प्रतिबंधित नहीं कहा जा सकता और वाद के मूल्यांकन या कोर्ट फीस की पर्याप्तता जैसे मुद्दे बिना सुधार का अवसर दिए वाद खारिज करने का आधार नहीं बन सकते।

कोयला खदान में विस्फोट से अब तक 18 की मौत, कई मलबे में दबे, बचाव कार्य जारी

-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दु:ख, मृतकों के परिवारों को सहायता की घोषणा

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को कोयला खदान में विस्फोट ने पूरे देश को हिला दिया। अवैध रूप से संचालित इस खदान में अचानक हुए धमाके के बाद चीख-पुकार मच गई। मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूर अंदर ही फंस गए। राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंची। भारी मशक्कत के बाद 18 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं, कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस दर्दनाक हादसे ने खदानों में सुरक्षा व्यवस्था और अवैध खनन के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। हादसे की खबर मिलते ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों सक्रिय हो गईं। पीएम मोदी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया। वहीं मेघालय के सीएम

कॉनराड संगमा ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरआती जांच में सामने आया है कि यह खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक विस्फोट खदान के अंदर हुआ, जिससे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। प्रशासन ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, खान और खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और विशेष टीमों को लगाया गया है।

हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दुख जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी घटना की जांच और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम संगमा से बातचीत कर केंद्र की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा मेघालय सरकार ने मृतकों के परिवारों को तीन-तीन लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है। सरकार का कहना है कि यह मदद पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत देने के लिए दी जा रही है। हादसे के बाद लोगों में गुस्सा है।

सीएम कॉनराड संगमा ने कहा है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार अवैध खनन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। प्रशासन ने साफ किया है कि राज्य में वैज्ञानिक खनन को बढ़ावा दिया जाएगा और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज, अगले महीने तारीखों का एलान संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल समेत देश के पांच राज्यों में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग जल्द ही संबंधित राज्यों का दौरा शुरू करेगा। इन दौरों का उद्देश्य चुनाव की तारीखों के एलान से पहले कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक तैयारियों और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का जमीनी स्तर पर आकलन करना है। माना जा रहा है कि मार्च के पहले सप्ताह के बाद कभी भी चुनावों की आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

इस साल जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों का कार्यकाल 7 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। वहीं, तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 10 मई, केरल की 140 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, असम की 126 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को पूरा होगा। इसके अलावा, पुडुचेरी की 30 सीटों वाली विधानसभा का कार्यकाल 15 जून 2026 को खत्म हो रहा है। संवैधानिक प्रावधानों के तहत इन सभी राज्यों में कार्यकाल समाप्त होने से पहले नई विधानसभा का गठन अनिवार्य है।

सूत्रों के मुताबिक, चूंकि चार राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल मई महीने में और पुडुचेरी का जून में समाप्त हो रहा है, इसलिए चुनाव आयोग समय से पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने में जुट गया है। खासतौर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल सबसे पहले 7 मई को समाप्त हो रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए आयोग की प्राथमिकता भी इसी राज्य पर अधिक रहने की संभावना है।

आयोग फरवरी के अंत से लेकर मार्च के पहले सप्ताह तक इन राज्यों का दौरा कर सकता है। इस दौरान संबंधित राज्यों के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के साथ बैठकें की जाएंगी। इसके अलावा, सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से भी संवाद किया जाएगा, ताकि चुनाव से जुड़े उनके सुझावों और आपत्तियों को सुना जा सके और यदि कोई वैध बिंदु हो तो उसे चुनावी प्रक्रिया में शामिल किया जा सके।

गौरतलब है कि पिछले साल बिहार विधानसभा चुनावों में तारीखों के एलान से लेकर पूरी चुनावी प्रक्रिया समाप्त होने तक कुल 42 दिन का समय लगा था। बिहार में चुनाव की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को हुई थी और दो चरणों में मतदान के बाद 16 नवंबर को पूरी प्रक्रिया संपन्न हुई, जबकि विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। इसी पैटर्न को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि इन पांच राज्यों में भी चुनावों की घोषणा मार्च के पहले सप्ताह के बाद की जा सकती है। राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माने जा रहे इन चुनावों को लेकर सभी

दलों की निगाहें अब चुनाव आयोग के आधिकारिक एलान पर टिकी हुई हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com